राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17

5 स्विगी ने अपने ईजीएम में आईपीओ को लेकर | सम्पादकीय तमाम कोशिशों के बावजूद | पेमेंट कंपनी पेयू को नए ग्राहक जोड़ने की मंज़ूरी 5

वर्ष 16 अंक 87 | E-mail: dholpur@hotmail.com | धौलपुर, शुक्रवार 26 अप्रैल 2024 | ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

पीएम मोदी और राहुल गांधी को भाषणों के लिये चुनाव आयोग ने भेजा नोटिस

भाजपा-कांग्रेस अध्यक्ष से 29 अप्रैल तक जवाब मांगा, भाषण में नफरत फैलाने का आरोप

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने गुरुवार को कांग्रेस और भाजपा अध्यक्ष से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी के बयान पर जवाब मांगा है। आयोग ने मोदी और राहुल के भाषणों के खिलाफ की गई शिकायतों पर नोटिस भेजा है। इन शिकायतों में आचार संहिता उल्लंघन का आरोप लगाया गया है।

शिकायत में कहा गया है कि ये लीडर्स धर्म, जाति, समुदाय और भाषा के आधार पर लोगों में नफरत फैलाने और उन्हें बांटने का काम कर रहे हैं। आयोग ने दोनों पार्टियों के अध्यक्ष से इस मामले में 29 अप्रैल सुबह 11 बजे तक जवाब मांगा है।

इलेक्शन कमीशन ने जनप्रतिनिधि कानून के सेक्शन 77 के तहत दोनों पार्टियों के अध्यक्षों को नोटिस भेजा। आयोग ने स्टार प्रचारकों की फौज उतारने के लिए पहली नजर में पार्टी अध्यक्षों को ही जिम्मेदार ठहराया है।

चुनाव आयोग ने कहा, अपने प्रत्याशियों के कामों के लिए राजनीतिक दलों को ही पहली जिम्मेदारी उठानी चाहिए। खासतौर पर स्टार कैंपेनर्स के मामले में। ऊंचे पदों पर बैठे लोगों के चुनावी भाषणों का असर ज्यादा गंभीर होता है।

भाजपा ने सोमवार को चुनाव आयोग से कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी देश में गरीबी बढ़ने का झूठा दावा कर रहे हैं। देश को भाषा के आधार पर उत्तर-दक्षिण में बांट रहे हैं। उनके खिलाफ सख्त कदम उठाया जाए। कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को आयोग से शिकायत की थी कि पीएम मोदी के 'संपत्ति का बंटवारा' वाले बयान पर एक्शन लें। कांग्रेस ने इस बयान को विभाजनकारी, दुर्भावना से भरा और समुदाय विशेष को टारगेट करने वाला बताया था।

लोकसभा चुनाव : द्वितीय चरण में 13 राज्यों की 88 सीटों पर मतदान आज

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। 2024 लोकसभा चुनाव के सेकेंड फेज में शुक्रवार 26 अप्रैल को 12 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 88 सीटों पर वोटिंग होगी।

पहले इस फेज में 89 सीटों पर वोटिंग होनी थी, लेकिन मध्य प्रदेश की बैतूल सीट पर बसपा प्रत्याशी के निधन के बाद इस सीट पर अब 7 मई को चुनाव होंगे। 2019 में इन सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा को 50 और एनडीए के सहयोगी दलों ने 8 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के खाते में 21 सीटें गईं थीं। अन्य को 9 सीटें मिली थीं। चुनाव आयोग के मुताबिक, इलेक्शन के दूसरे फेज में 1,198 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 1,097 पुरुष और 100 महिला उम्मीदवार हैं। एक प्रत्याशी थर्ड जेंडर है।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म ने 1,192 उम्मीदवारों के हलफनामे में दी गई जानकारी पर एक रिपोर्ट तैयार की। इनमें से 21 प्रतिशत यानी 250 उम्मीदवार पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। 390 यानी 33 प्रतिशत उम्मीदवार करोड़पति हैं। इनके पास एक करोड़ या उससे ज्यादा की संपत्ति है। 6 उम्मीदवारों ने अपनी संपत्ति शून्य बताई है, जबकि तीन के पास 500 से 1,000 रुपए की संपत्ति है।

पटना के होटल में आग, 6 की मौत

20 घायल, 45 को बचाया

आर.एन.एस.

पटना। पटना जंक्शन से 50 मीटर दूर पाल होटल में गुरुवार सुबह अचानक आग लग गई। आग ने आसपास के 3 होटलों को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में 6 लोगों की मौत हुई है। इसमें 3 महिला और 3 पुरुष हैं। सिटी एसपी सेंट्रल सत्यप्रकाश ने बताया कि घायलों में 2 की हालत गंभीर बनी हुई है। जबकि 20 लोगों का इलाज अभी पटना मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है, कोशिश की जा रही है।

आग की लपटों के बीच 45 लोगों को निकाला गया है। 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। फायर ब्रिगेड की 51 गाड़ियों का पानी आग बुझाने में लगा। आग बुझाने के बाद रेस्क्यू के लिए टीम होटल के अंदर गई, जहां शव को निकाला गया। आग लगने के कारण पटना स्टेशन जाने वाले रास्ते को बंद किया गया था। बिल्डिंग 4 मंजिला थी। सभी फ्लोर पर आग फैली हुई थी। बिल्डिंग में फंसे लोगों को निकालने के लिए हाइड्रा का भी सहारा लिया गया। बताया जाता है कि आग लगने से होटल में रखे सिलेंडर में भी ब्लास्ट हुए। इससे आग भड़क गई। आग ने होटल की पास वाली बिल्डिंग को भी जद में ले लिया था।

होटल में नाश्ता करने पहुंचे क्रस्न जवान ने बताया कि मैं ऑर्डर देने के बाद हाथ धोने गया था। वो लोग मसाला डाल रहे थे। अचानक प्लास्टिक में आग लगी फिर सिलेंडर ने आग पकड़ ली। पहला सिलेंडर ब्लास्ट हुआ फिर दूसरा सिलेंडर ब्लास्ट हुआ। नीचे से ऊपर आग फैलते चले गई। तीन लोग नीचे कूद गए। एक महिला भी जान बचाने के लिए नीचे कूदी। एक युवक के पैर टूट गया। करीब 45 मिनट के बाद फायर ब्रिगेड पहुंची।

अरुणाचल प्रदेश : भूस्खलन में राजमार्ग -313 का बड़ा हिस्सा ढहा, चीन सीमा से सटी दिबांग वैली का संपर्क देश से टूटा

आर.एन.एस.

दिबांग वैली। अरुणाचल प्रदेश के दिबांग वैली में लैंड स्लाइड के चलते नेशनल हाईवे-313 का बड़ा हिस्सा ढह गया है। चीन सीमा से लगे दिबांग वैली जिले का संपर्क पूरे देश से कट गया। दिबांग वैली जिला प्रशासन के मुताबिक बुधवार को हाईवे पर लैंडस्लाइड हुई। अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू कहा कि दिबांग वैली में लैंड स्लाइड की खबर मिली है। हाईवे-313 से ही दिबांग वैली पूरे देश से कनेक्ट होती है। हमने तुरंत संपर्क स्थापित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, दिबांग वैली में पिछले कई दिनों से भारी बारिश हो रही है। हुनली और अनीनि के बीच हाईवे 313 का काफी बड़ा हिस्सा लैंड स्लाइड में ढह गया है। हाई-वे की मरम्मत के लिए टीम भेजी गई है।

इंदिरा की प्रॉपर्टी बचाने के लिए राजीव ने कानून बदला, राहुल फिर लाना चाहते हैं - पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने मुरैना और आगरा में की चुनाव सभाएं

आर.एन.एस.

मुरैना-आगरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार दूसरे दिन आज मध्यप्रदेश आए। मोदी ने मुरैना के पुलिस परेड ग्राउंड में भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर के समर्थन में सभा की। पीएम ने कहा- कांग्रेस के शहजादे को देश के प्रधानमंत्री को भला-बुरा कहने में मजा आता है। मैं टीवी और सोशल मीडिया पर देख रहा हूं कि इससे लोग दुखी हो रहे हैं। मैं कहता हूं, दुखी न हों क्योंकि नामदार तो कामदार को हमेशा गोली-गलौज करते आए हैं।

पीएम ने कहा- देश कह रहा है, कांग्रेस की लूट, जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी। आपके हितों की रक्षा के लिए ये मोदी दीवार बनकर खड़ा है। ये गाली-गलौज इसलिए हो रहा है क्योंकि मोदी 56 इंच का सीना तानकर खड़ा हो गया है। इनके मंसूबे सफल नहीं होंगे ये मोदी की गारंटी है। पीएम ने कहा- कांग्रेस पार्टी विकास विरोधी समस्या है। मुरैना के लोग जानते हैं समस्या से एक बार पीछा छूट जाए तो उसे दूर ही रहना चाहिए। मोदी ने कहा जवानों को हमने खुली छूट दी है। हमने कहा एक गोली चलती है तो 10 गोली चलनीं चाहिए। एक गोला चलता है तो 10 तोपें चलनीं चाहिए।

आगरा : माता-बहनें सिर कटवा देंगी पर मंगलसूत्र नहीं देंगी

पीएम नरेंद्र मोदी गुरुवार दोपहर आगरा के कोठी मीना बाजार मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा-कांग्रेस के मेनिफेस्टो पर मुस्लिम लीग का ठप्पा लगा है। कांग्रेस ने पिछले दरवाजे से खेल खेलना शुरू कर दिया है। ठान लिया है कि धर्म के आधार पर रिजर्वेशन लाकर रहेगी। मोदी ने कहा- यूपी के 2 लड़के पिछले दरवाजे से ओबीसी का हक छीनने का प्लान बना रहे। कांग्रेस के लोग कहते हैं आपकी संपत्ति की जांच होगी। शहजादे कहते हैं उनकी नजर लॉकर तक पहुंचेगी। महिलाएं अपना गला कटवा देंगी, लेकिन किसी को मंगल सूत्र नहीं देंगी। यूपी में मोदी की आज 3 जनसभाएं हैं। आगरा के बाद वह बरेली की आंवला लोकसभा सीट के मतदाताओं को साधेंगे। यहां से शाहजहांपुर जाएंगे। शाहजहांपुर की ददरौल विधानसभा उपचुनाव के लिए भी वोट की अपील करेंगे।

ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में केजरीवाल की गिरफ्तारी को सही बताया

हलफनामा में बताया - सबूतों से पता चला घोटाले में उनका बड़ा रोल

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय में दिल्ली शराब नीति केस में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका का विरोध किया है। बुधवार (24 अप्रैल) को सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में ईडी ने कहा कि कई बार समन भेजे जाने के बावजूद उन्होंने एजेंसी के साथ सहयोग नहीं किया। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि नौ बार समन मिलने के बावजूद केजरीवाल पूछताछ से बच रहे थे। उनके इसी रवैए से जांच अधिकारी को गिरफ्तारी की वजह मिली है। साथ ही जांच अधिकारी के पास मौजूद चीजों ने भी यह साबित करने में मदद की है कि वे दोषी हैं। ईडी ने यह भी कहा कि केजरीवाल को किसी दुर्भावना या दूसरे कारणों से गिरफ्तार नहीं किया गया है। किसी अपराध की जांच एक ऐसा क्षेत्र है जो जांच एजेंसी के लिए रिजर्व है। उनकी गिरफ्तारी भी जांच का हिस्सा है। सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल को अरविंद की याचिका पर सुनवाई करते हुए शराब घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी से 24 अप्रैल तक जवाब मांगा था। ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। वे फिलहाल दिल्ली की तिहाड़ जेल में हैं।

हमारे मेनिफेस्टो में विरासत टैक्स का जिक्र नहीं - कांग्रेस

1985 में प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इस टैक्स को खत्म कर दिया था

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। कांग्रेस लीडर जयराम रमेश ने गुरुवार (25 अप्रैल) को विरासत टैक्स को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर स्पष्टीकरण दिया। जयराम रमेश प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस मेनिफेस्टो की बुकलेट लेकर पहुंचे। उन्होंने कहा कि हमारे घोषणा पत्र में कहीं भी विरासत टैक्स का जिक्र नहीं है।

जयराम ने कहा, सच यह है कि 1985 में प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इस विरासत टैक्स को खत्म कर दिया था। हमने कभी भी विरासत टैक्स का जिक्र नहीं किया। अरुण जेटली और जयंत सिन्हा जैसे भाजपा नेताओं ने विरासत टैक्स के पक्ष में वकालत की है। वास्तव में यह हमारा नहीं, भाजपा का एजेंडा है।

कांग्रेस नेता ने कहा, प्रधानमंत्री असत्यमेव जयते का प्रतीक हैं। उनका प्रचार झूठ पर आधारित है। वे बोल रहे हैं कि हमारे मेनिफेस्टो में प्रॉपर्टी बांटने का जिक्र है। मैं उन्हें चैलेंज करता हूं कि हमारे 50 पेज के मेनिफेस्टो में एक शब्द भी ऐसा नहीं है जो प्रॉपर्टी बांटने का जिक्र करता हो।

जयराम बोले- पीएम ने कभी मंगलसूत्र का सम्मान नहीं किया

जयराम रमेश ने आगे कहा, पीएम मोदी महिलाओं से कहते हैं कि हम उनका मंगलसूत्र छीन लेंगे। जिसने खुद कभी मंगलसूत्र का सम्मान नहीं किया वह इस बारे में बात कर रहा है। मोदी हमारे घोषणा पत्र की पिब्लसिटी कर रहे हैं, हालांकि यह निगेटिव पिब्लसिटी है।

जैसलमेर में वायुसेना का टोही विमान क्रैश!

आर.एन.एस.

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर में गुरुवार सुबह भारतीय वायुसेना का विमान क्रैश हो गया। जिससे इलाके में दहशत फैल गई। वायुसेना का टोही विमान जैसलमेर के पिथला गांव के समीप क्रैश हुआ। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन के साथ-साथ वायुसेना के अधिकारी मौके पर पहुंचे। गौरतलब है कि जैसलमेर में पूर्व में भी टोही विमान गिरने के हादसे हो चुके है।

जानकारी के मुताबिक जैसलमेर में पिथला गांव के समीप एक खेत में सुबह करीब 10 बजे भारतीय वायुसेना का टोही विमान क्रैश हो गया। मानव रहित प्लेन क्रैश होने से इलाके में दहशत फैल गई। इससे किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। विमान के गिरने के बाद घटनास्थल पर आसपास के लोग भी जुट गए।

ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद विमान में लगी आग पर काबू पाया। सूचना मिलते ही जिला प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। कुछ देर बाद ही एयरफोर्स के अधिकारी और अन्य कार्मिकों की टीम ने मौकास्थल पर पहुंचकर विमान को कब्जे में लिया। बताया जाता है कि तकनीकी खामी के कारण विमान गिर गया। फिलहाल, एयरफोर्स के अधिकारी हादसे की जांच में जुटे हुए हैं।

अमेरिका के 25 विश्वविद्यालयों में इजराइल विरोधी प्रदर्शन

100 से ज्यादा छात्र गिरफ्तार

नेतन्याहू बोले- यहूदी विरोधियों ने कॉलेजों पर कब्जा किया

आर.एन.एस.

वाशिंगटन। अमेरिका की यूनिवर्सिटीज में फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन बढ़ता जा रहा है। कोलंबिया, लॉस एंजिल्स और ऑस्टिन समेत देशभर के 25 विश्वविद्यालयों में ये प्रदर्शन जारी हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक अब तक 100 से ज्यादा छात्र गिरफ्तार किए जा चुके हैं। ये गाजा में इजराइल के हमले रोकने की मांग कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन दबाने के लिए यूएस नेशनल गार्ड को लाने की भी संभावना जताई गई है।

अमेरिका में नेशनल गार्ड्स की तैनाती बड़े खतरों से निपटने के लिए की जाती है। बुधवार को प्रदर्शन बढ़ने से छात्रों और पुलिस के बीच झड़प हुई। इस दौरान टेक्सास यूनिवर्सिटी में 34 स्टूडेंट्स और सदर्न कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में 93 छात्रों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के टेंट उखाड़ दिए।150 प्रदर्शनकारियों को कॉलेज से निकालने की चेतावनी दी गई।

दूसरी तरफ, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पहली बार इन प्रदर्शनों पर बयान जारी किया। उन्होंने कहा, अमेरिकी यूनिवर्सिटी में इजराइल की जंग के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन भयानक रूप ले रहे हैं। यहूदी विरोधियों ने विश्वविद्यालयों पर कब्जा कर लिया है। वे इजराइल को मिटाना चाहते हैं। यहूदी छात्रों और प्रोफेसरों को निशाना बनाया जा रहा है। इन्हें तुरंत रोकने की जरूरत है।

आर्मीनिया को हथियार देना बंद करे भारत - अजरबेजान

आर.एन.एस.

बाकू। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने भारत से मांग की है कि वो अर्मेनिया को हथियार देना बंद करे। राजधानी बाकू में सीओपी 29 से जुड़े कार्यक्रम में एक सवाल का जवाब देते हुए अलीयेव ने कहा, यह हमारी देश की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। फ्रांस, भारत, ग्रीस जैसे देश अर्मेनिया को हमारे खिलाफ जाकर हथियार सप्लाई कर रहे हैं। ऐसे में हम हाथ पर हाथ रखकर बैठे नहीं रह सकते।

राष्ट्रपति अलीयेव ने कहा, हमने अर्मेनिया और उसे हथियार देने वाले देशों के सामने अपना रुख साफ कर दिया है। अगर हमारे देश की सुरक्षा को खतरा होगा तो हम इसके खिलाफ एक्शन लेंगे। अर्मेनिया हमारे खिलाफ अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। वो हमारी सीमा पर अपने सैनिक तैनात कर रहा है। ऐसे में हम चुप नहीं रह सकते।

दरअसल, कारबाख को लेकर अजरबैजान और अर्मेनिया में लंबे समय से विवाद रहा है। पाकिस्तान और तुर्किये अजरबैजान को खुला समर्थन और सैन्य सहयोग देते हैं। इसके बदले अजरबैजान कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान का समर्थन करता है। पिछले साल भारत में मौजूद अजरबैजान के राजदूत अशरफ शिकालियेव ने कहा था कि पिछले 30 साल से अजरबैजान कश्मीर पर पाकिस्तान का साथ देता आया है।

रुझान देखकर भाजपा नेताओं की भाषा बदल गई - अखिलेश यादव

कन्नौज ने भरा नामांकन

आर.एन.एस.

कन्नौज। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कन्नौज से नामांकन दाखिल कर दिया। वह दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट पहुंचे। उनके साथ चाचा रामगोपाल भी थे। कलेक्ट्रेट में भारी संख्या में समर्थकों ने फूल बरसाकर सपा प्रमुख का स्वागत किया। ढोल-नगाड़े बजाए। अखिलेश के भतीजे तेज प्रताप नामांकन में शामिल नहीं हुए।

नामांकन के बाद अखिलेश ने कहा- चुनावी रुझानों को देखकर भाजपा नेताओं की भाषा बदल गई है। भाजपा के लोग टैक्स के नाम पर पैसा वसूल रहे हैं। देर से नाम घोषित करने और फिर अचानक खुद उतरने के सवाल पर उन्होंने कहा-हथौड़ा तब मारना चाहिए, जब लोहा गर्म हो और हमने वही काम किया। नामांकन से पहले अखिलेश ने कन्नौज से नामांकन की 24 साल पुरानी तस्वीर शेयर की। लिखा-फिर इतिहास दोहराया जाएगा, अब नया भविष्य बनाया जाएगा। इस पोस्ट पर शिवपाल ने लिखा-विजय भवः सर्वदा।

सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वॉट्सऐप सर्विस शुरू

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट अब वॉट्सऐप मैसेज के जरिए वकीलों को कॉज लिस्ट, केस फाइल करने और उनकी लिस्टिंग से जुड़ी जानकारी शेयर करेगा। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने गुरुवार (25 अप्रैल) को यह घोषणा की। सीजेआई ने कहा- वॉट्सऐप को सुप्रीम कोर्ट की आईटी सर्विस के साथ जोड़कर न्याय तक पहुंच को मजबूत करने की पहल शुरू की है।

सीजेआई ने सुप्रीम कोर्ट का ऑफिशियल वॉट्सऐप नंबर भी शेयर किया। साथ ही बताया कि इस पर कोई मैसेज या कॉल नहीं आएगा। इस पहल से हमारे वर्किंग कल्चर में बदलाव आएगा और कागजों की बचत होगी।

रैंप पर कैटवॉक कर दिया मतदान जागरुकता का संदेश

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटा। स्वीप गतिविधियों के तहत राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड स्थानीय संघ कोटा दक्षिण के ग्रुप राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आवासन मंडल केशवपुरा एवम् अन्य ग्रुप के स्काउट गाइड एवं कब बुलबुल व रेंजर्स ने सुबह के समय रैली एवम् दिन में रैंप पर कैटवॉक कर मतदान जागरुकता का सन्देश दिया। बच्चों ने सधे कदमों से हाथों में 100 प्रतिशत मतदान करने की अपील का सन्देश देती तख्तियां ले रखी थीं। प्रभारी प्रकाश जायसवाल ने कहा कि मतदान की महत्ता को समझें, मतदान हमारा अधिकार है। यही एक ऐसा अधिकार जो हर वर्ग, समाज, गरीब, अमीर सबके लिए समान है। इसकी गरिमा को समझें और अपने मताधिकार का उपयोग कर राष्ट्र को सशक्त बनाएं। हम अपने अधिकार का उपयोग कर अपने देश को और शक्तिशाली बनाएं। सभी मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण करने में अपना योगदान दें। इस दौरान प्रकाश जायसवाल, प्रवीण शर्मा, नीलम पारेता, भारती महावर, दिव्यांशी कंवर , जतिन नामा, विजय भट्ट समेत मां कल्याणी ओपन रेंजर टीम, सरोजनी नायडू ओपन गाइड कंपनी, चंद्र शेखर आजाद ओपन स्काउट ट्रूप एवम् लाल बहादुर शास्त्री ओपन ट्रूप के सदस्य मौजूद रहे।

वेब कास्टिंग कंट्रोल रूम का सामान्य पर्यवेक्षक ने किया निरीक्षण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कैमरे की नजर में 453 रहेंगे मतदान केंद्र

बूंदी। लोकसभा आम चुनाव, 2024 के लिए जिला कलक्ट्रेट परिसर में संचालित इंटीग्रेटेड वॉर रूम तथा मतदान प्रक्रिया पर नजर रखने के लिए बनाए गए वेबकास्टिंग रूम का सामान्य पर्यवेक्षक डॉ. वेंकटाचलम ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 50 प्रतिशत बूथों की वेबकॉस्टिंग के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी अक्षय गोदारा ने वेबकॉस्टिंग की व्यवस्था तथा वॉर रूम में किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान उपजिला निर्वाचन अधिकारी घनश्याम शर्मा भी मौजूद रहे। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 453 मतदान केन्द्रों पर वेब कास्टिंग की जाएगी। वेब कास्टिंग के जरिए दूर दराज स्थित मतदान केंद्र की हर गतिविधि पर जिला मुख्यालय से नजर रखी जा सकेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं संबद्ध अधिकारियों द्वारा इस तकनीकी सुविधा के माध्यम से बूथ की गतिविधियों का पर्यवेक्षण किया जा सकेगा।

जिले में कुल 906 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से 453 मतदान केन्द्रों पर वेब कास्टिंग के जरिए कैमरे से पैनी निगाह रखी जाएगी। वेब कास्टिंग से संवेदनशील एवं अति संवेदनशील मतदान केंद्रो की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी और निर्वाचन शांतिपूर्ण संपन्न होने में यह व्यवस्था मददगार बनेगी।

जिला कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

लंबित मामलों को जल्द निस्तारण करने के दिए निर्देश, अतिक्रमण पर कार्रवाई करने को कहा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

सीकर। जिला कलेक्टर कमर उल जमान चौधरी की अध्यक्षता में गुरूवार को राजस्व अधिकारियों की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जिला कलेक्टर चौधरी ने सभी अधिकारियों से राजस्व मामलों की प्रगति रिपोर्ट ली तथा संबंधित अधिकारियों को उनसे संबंधित राजस्व कार्यो को मिशन मोड पर लेकर उनका त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने कहा कि अधीनस्थ न्यायालयों में जो लंबित मामले चल रहे है, उनसे संबंधित अधिकारी मिशन मोड पर लेकर उनका निस्तारण करने के साथ ही एलआर एक्ट के तहत विचाराधीन मामलों के निस्तारण के लिए प्रगति लाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिले में नामांतरण और रास्तों के मामले जो वर्षो से लंबित चल रहे हैं, उनकों आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति करवाकर प्राथमिकता से निस्तारण करें और भू-रूपांतरण और आवंटन के लंबित आवेदनों का समयबद्धता के साथ निस्तारण करें। सार्वजनिक रास्तों के सीमांकन एवं सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हटाने के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को नक्शों में रास्तों एवं सड़कों की स्थिति दर्ज करने, खाता विभाजन और बंटवारे के प्रकरणों का प्रत्येक पटवार मंडल में निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया। जिला कलेक्टर कमर उल जमान चौधरी ने निर्देश दिये कि हर माह की 20 से 25 तक आरओ बैठक हो जानी चाहिए। उन्होंने 91ए के चारागाह भूमि पर अतिक्रमण के प्रकरणों में संबंधित तहसीलदार को मौके पर संबंधित क्षेत्र के कच्चे–पक्के घरों का सर्वे करवाया जाने,घरों की आर्थिक स्थिति का आंकलन करने, आस–पास कोई बस्ती स्थापित है या नहीं, इन सभी की तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार कर भिजवाने के निर्देश दिये। सम्पर्क पोर्टल के प्रकरण भी तत्काल निस्तारण करवायें। सभी राजस्व अधिकारी राजस्व प्रकरणों में तहसीलवार लक्ष्य निर्धारित कर प्रकरणों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें। अतिरिक्त जिला कलेक्टर सीकर रणजीत सिंह ने राजस्व अधिकारियों से कहा कि सुमेटों के प्रकरणों के निस्तारण में एक रूपता होनी चाहिए। उन्होंने राजस्व नियम 136 के संबंध में सभी अधिकारियों से चर्चा कर यह निर्देशित किया गया कि आटो रिएक्शन का रिव्यू कर तहसीलदार परिवादी को राहत देना सुनिश्चित करें तथा लाईट्स के प्रकरणों में अपेक्षित रिपोर्ट प्राप्त कर निस्तारण करवायें। बैठक में उप महानिरीक्षक पंजीयक एवं मुद्रांक भागीरथ शाख, समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार उपस्थित रहें।

जेईई-मेन में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट का नीलकृष्ण ऑल इंडिया टॉपर

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटा। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से जेईई-मेन 2024 के परिणाम बुधवार रात को जारी कर दिए गए। परिणामों में एक बार फिर एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट्स ने श्रेष्ठता साबित की है। देर रात तक देखे गए परिणामों में एलन स्टूडेंट ने आल इंडिया टॉप किया है, इसके साथ ही टॉप-5 में एलन के 3 स्टूडेंट्स ने स्थान प्राप्त किया। एलन के निदेशक डॉ.बृजेश माहेश्वरी ने बताया कि एलन के दो वर्ष से क्लासरूम स्टूडेंट नीलकृष्ण ने आल इंडिया टॉप किया है। वहीं रैंक-2 पर भी एलन के क्लासरूम स्टूडेंट दक्षेस संजय मिश्रा व रैंक-4 पर भी एलन के क्लासरूम स्टूडेंट आदित्य कुमार रहे हैं। जेईई के रिजल्ट्स में एलन ने सफलता के क्रम को बरकरार रखते हुए बेहतर परिणाम दिए हैं। 100 पर्सेंटाइल ने 56 स्टूडेंट्स शामिल हुए हैं। शुरुआती परिणामों में टॉप-5 स्टूडेंट्स शामिल हैं। परीक्षा में 14 लाख 76 हजार 557 ने रजिस्ट्रेशन करवाया, इसमें से 14 लाख 15 हजार 110 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। यह संख्या जेईई-मेन के इतिहास में अब तक सबसे अधिक है। दोनों सेशन में कुल 10 लाख 67 हजार 959 कॉमन विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। एलन से बड़ी संख्या में टॉप स्टूडेंट्स ने जेईई-एडवांस्ड के लिए क्वालीफाई किया है। इनके रिजल्ट्स देखे जा रहे हैं। एलन के रेगुलर क्लासरूम स्टूडेंट नीलकृष्णा ने जेईई-मेन में आल इंडिया रैंक-01 प्राप्त की है। किसान परिवार के बेटे नील ने इससे पहले जेईई-मेन जनवरी में 100 पर्सेन्टाइल स्कोर एवं परफेक्ट स्कोर 300 में से 300 अंक हासिल किए हैं। नील ने बताया कि बचपन अकोला के नजदीक वाशिन जिले के बेलखेड़ में बीता; यहां कक्षा 4 तक पढ़ने के बाद कक्षा 5 से 10 तक जेसीआई स्कूल कांरजलाड में पढ़ा, फिर 11वीं में एलन में एडमिशन लिया। पिता किसान हैं और परिवार खेती पर निर्भर है। परिवार के सामने आर्थिक चुनौतियां भी रही हैं। एलन में एडमिशन लिया तो 75 प्रतिशत स्कॉलरशिप मिली, इसी कारण मैं जेईई की तैयारी में आगे बढ़ सका। पापा-मम्मी ने मेरी पढ़ाई जारी रखने के लिए अपनी कई जरूरतें पूरी नहीं की। हमेशा मुझे मोटिवेट भी किया। कई बार टेस्ट में नम्बर कम आते तो मुझे हिम्मत देते और अगले की तैयारी अच्छी करने के लिए समझाते। मुझे फिजिक्स में रिसर्च में जाना है, इसीलिए मैंने जेईई टारगेट किया है। सब्जेक्ट वाइज तैयारी की बात करें तो मैं फिजिक्स क्लास नोट्स को रेफरेंस की तरह लेते हुए पढ़ता हूं। फिजिकल कैमेस्ट्री को भी ऐसे ही पढ़ता हूं। इनआर्गेनिक कैमेस्ट्री को नोट्स रिव्यू करके और आर्गेनिक कैमेस्ट्री नोट्स और प्रोब्लम सॉल्व करके सीखता हूं। मैथ्स में प्रेक्टिस ज्यादा से ज्यादा होनी चाहिए। एक स्टूडेंट को ज्यादा से ज्यादा जानने की इच्छा रखनी चाहिए और जब तक सवाल का हल समझ नहीं आ जाता तब तक पूछते रहना चाहिए। पूछने में शर्म नहीं करनी चाहिए। रोजाना 10 से 12 घंटे सेल्फ स्टडी करता हूं। अब जेईई एडवांस्ड पर पूरा फोकस है। आईआईटी मुंबई की सीएस ब्रांच से बीटेक करना चाहता हूं। पढ़ाई के साथ-साथ मैं आर्चरी भी खेलता हूं। स्टेट और नेशनल टूर्नामेंट तक खेल चुका हूं। यह खेल मुझे लक्ष्य साधने के लिए एकाग्रता सीखाता है। साउथ इंडियन फिल्म देखने का शौक है, एग्जाम के बाद या सप्ताह में एक बार फिल्म देखता हूं। पिछले तीन साल से एलन करियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड के रेगुलर क्लासरूम स्टूडेंट दक्षेश मिश्रा ने जेईई मेन परीक्षा में 100 पर्सेंटाइल स्कोर एवं परफेक्ट स्कोर 300 में से 300 अंक हासिल कर ऑल इंडिया रैंक हासिल की है। दक्षेश ने इससे पहले दसवीं कक्षा 98 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। उसने बताया कि मैं रोजाना 10 से 12 घंटे सेल्फ स्टडी करता हूं। दक्षेश ने अपना स्टडी प्लान शेयर करते हुए बताया कि मैं पूरी तरह एनसीईआरटी सिलेबस पर फोकस करता हूं। मैथ्स व फीजिक्स के सवालों की प्रैक्टिस करता हूं क्योंकि इससे कॉन्फिडेंस लेवल मजबूत होता है। लास्ट टाइम में रिवीजन सबसे महत्वपूर्ण है। फिलहाल जेईई एडवांस्ड पर पूरा फोकस है। आईआईटी मुंबई की सीएस ब्रांच से बीटेक करने का सपना है। आदित्य कुमार पिछले दो साल से एलन के रेगुलर क्लासरूम स्टूडेंट है। आदित्य ने जेईई मेन में परफेक्ट स्कोर 300 में से 300 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 04 हासिल की है। आदित्य ने बताया कि मैं रोजाना 8 से 9 घंटे सेल्फ स्टडी करता हूं। एलन में समय-समय पर जो टेस्ट होते थे, उनको लेकर काफी सीरियस रहता था, क्योंकि टेस्ट से ही आप खुद का एनालिसिस कर पाते हो। यदि किसी टेस्ट में मार्क्स कम आते थे तो कोशिश रहती थी कि अगले टेस्ट में उन गलतियों को दोबारा नहीं दोहराऊं। इससे पहले 10वीं कक्षा 97.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की थी। फिलहाल जेईई एडवांस्ड पर फोकस है। मैं आईआईटी मुम्बई की सीएस ब्रांच से बीटेक करने के बाद एस्ट्रोफिजिक्स के क्षेत्र में जाना चाहता हूं।

विश्व मलेरिया दिवस मनाया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटा। जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों पर गुरुवार को विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। इस मौके पर डॉ घनश्याम मीना उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (स्वा) कोटा द्वारा आकाशवाणी कोटा से सजीव फोन कार्यक्रम में मच्छर जनित बीमारियों विशेषकर डेंगू मलेरिया चिकनगुनिया से बचाव एवं रोकथाम पर विशेष चर्चा की गई साथ ही अस्पतालो मे मलेरिया एवं अन्य मच्छर जनित बीमारीयों से बचाव और रोकथाम संबधी आईईसी गतिविधियां जैसे पोस्टर, बेनर, पम्फलेट आदि का प्रदर्शन कर लोगों को जानकारी दी गई। सीएमएचओ डॉ जगदीश कुमार सोनी ने बताया कि चिकित्सा संस्थानों में लोगों की जागरूकता के लिए आईईसी कॉर्नर बनाया गया और मच्छरों के लार्वा का प्रदर्शन भी किया गया। हर रविवार डेंगू मलेरिया पर वार की शपथ दिलाई गई, नारा लेखन एवं जागरूकता रैलियां भी निकाली गई स्कूल में छात्र छात्राओं एवं अध्यापकों को स्वास्थ्य शिक्षा दी गई। डिप्टी सीएमएचओ हैल्थ डॉ घनश्याम मीना ने बताया कि विश्व मलेरिया दिवस पर डेंगू मलेरिया चिकनगुनिया आदि बीमारियों की रोकथाम एवं बचाव हेतु की जा रही है डोर हूश डोर सर्वे के साथ साथ कूलर, टंकियों और अन्य पानी इकट्ठा होने वाले पात्रों और स्थानों को चैक कर एंटी लार्वा एक्टिविटि भी गई। साथ ही बुखार के रोगियों की पहचान, ब्लड स्लाईड कलेक्शन, मलेरिया एवं अन्य मच्छर जनित बीमारियों की जागरूकता हेतु रैलियां निकाली गई, हाई रिस्क ग्रुप को संवेदनशील करना, सोर्स रिडक्शन यथा कूलर, टंकियों, गमले, परिण्डे आदि को चैक कर लार्वा पाए जाने पर नष्ट करने की कार्यवाही की गई। सर्वे दलों में आशा आँगन बाड़ी कार्यकर्ता एवं सीएचओ, हूरूआदि ने कार्य किया। एंटोमोलोजिस्ट/कीट विज्ञानी डीपी चौधरी ने बताया कि मलेरिया एक प्लाज्मोडियम नामक परजीवी से होता है जो कि एनाफ्लीज जाति की मादा मच्छर के काटने से मनुष्यों मे फैलता है। यह मादा मच्छर साफ पानी में एक बार में 100 से 150 तक अण्डे देती है। दो-तीन दिन में अण्डे से लार्वा, बनता हौ और फिर 4-5 दिनों में लार्वा से प्यूपा और उसके एक दो दिन बाद व्यस्क मच्छर बन जाता है।

व्यस्क होने के बाद मच्छर दो से तीन सप्ताह तक ही जीवित रह पाता है। घरों के आस-पास अनावश्यक पानी एकत्र ना होने दें, घरों में पानी की सभी टंकियो एंव पात्रों को हमेशा ढक कर रखना चाहिए। घर की टंकी, कूलर, पक्षियों के परिण्डे आदि को सप्ताह में एक बार रगड़कर साफ करना चाहिए। पानी के बर्तनों को भरने से पहले उन्हे साफ करें, टायर, नारियल के खोल व अन्य कबाड़ो में पानी एकत्र ना होने दें, घरों में मच्छरदानी का प्रयोग करें, घरों के दरवाजे खिड़कियों में मच्छरों के प्रवेश को रोकने वाली जाली की प्रयोग करें। पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें। मलेरिया रोग के लक्षण दिखने पर चिकित्सक से परामर्श लेवें एवं खून की जांच करावे।

उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए विद्यार्थियों के पंजीकरण कर ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने की तिथि 31 मई तक बढ़ाई

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

सीकर। उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग प्रियंका पारीक ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 में राजस्थान के मूल निवासियों के लिए अनुसूचित जाति, अनु जनजाति, अन्य पिछडा वर्ग, आर्थिक पिछडा वर्ग, अति पिछडा वर्ग (पूर्व में विशेष पिछडा वर्ग), विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्दघुमन्तु, मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजनाओं में राज्य की राजकीय, निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं एवं राज्य के बाहर की राजकीय, राष्ट्रीय स्तर की शिक्षण संस्थाओं के पाठ्यक्रमों में प्रवेशित, अध्ययनरत शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों द्वारा वेबसाईट अथवा एसएसओ पोर्टल पर क्लिक कर पेपरलेस आवेदन पत्र ऑनलाइन पंजीकरण करने, ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने एवं शिक्षण संस्थानों द्वारा नवीन पंजीयन, पूर्व में पंजीकृत की मान्यता अद्यतन करने के लिए अंतिम तिथि 31 मार्च 2024 से बढ़ाकर 31 मई 2024 तक कर दी गई है।

दूसरे चरण के के लिए मतदान दल मतदान केन्द्रों के लिए हुए रवाना

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। लोकसभा आम चुनाव 2024 के तहत 26 अप्रेल को होने वाले मतदान के लिए शुक्रवार सुबह जिले के दूरस्थ मतदान केन्द्रों के लिए मतदान दल रवाना हुए। केन्द्रीय पर्यवेक्षकों के पर्यवेक्षण में अंतिम प्रशिक्षण के बाद मतदान दल हायर सीनियर सेकेंडरी स्कूल परिसर से रवाना हुए। कोटा बूंदी लोकसभा क्षेत्र के सामान्य पर्यवेक्षक डॉ. एन. वेंकटाचलम ने प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचकर मतदान दल रवानगी का जायजा लिया और मतदान दलों में शामिल कार्मिकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी अक्षय गोदारा ने कहा कि मतदान दल अधिकारी लोकतंत्र के महापर्व का सफल संचालन करें तथा भारत निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप पारदर्शितापूर्ण एवं निष्पक्ष निर्वाचन सम्पन्न कराएं। उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतंत्र की निर्वाचन व्यवस्थाएं विश्व में सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। क्योंकि हमारी मशीनरी निष्पक्ष एवं पारदर्शी है। इसी भावना के साथ कार्य करते हुए शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान कराएं।

उन्होंने निर्देश दिए कि शुक्रवार सुबह सबसे पहले मॉकपोल सुनिश्चित करें एवं सुबह 7 बजे से मतदान प्रक्रिया शुरू होगी जो शाम 6 बजे तक जारी रहेगी। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी मतदान कार्मिक अपना बूथ नहीं छोड़े। अपना दायित्व व कर्तव्य ईमानदारी से निभाएं। साथ ही किसी का आतिथ्य स्वीकार नहीं करें। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 906 मतदान केन्द्र में से 453 में वेबकॉस्टिंग होगी। अंतिम प्रशिक्षण में सेक्टर प्रभारी सहित सभी मतदान दल अधिकारियों को निर्देश दिए कि मॉक पोल 26 अप्रेल को सुबह 5.30 बजे शुरू होगा। वास्तविक मतदान सुबह 7 बजे शुरू किया जाए। इस दौरान मशीन की सीलिंग प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। साथ में सभी मतदान अधिकारियों को उनके कर्तव्य व दायित्व भी बताए।

निर्वाचन फोटो पहचान पत्र के अभाव में वैकल्पिक पहचान दस्तावेज दिखाकर कर सकेंगे मतदान

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। लोकसभा आम चुनाव 2024 के लिए आगामी 26 अप्रैल को होने वाले मतदान में निर्वाचन फोटो पहचान पत्र की उपलब्धता के अभाव में भी मतदाता वैकल्पिक पहचान दस्तावेज दिखाकर वोट डाल सकेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी अक्षय गोदारा ने यह पूरी तरह सुनिश्चित किया जा रहा है कि 26 अप्रैल को मतदान दिवस पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग बिना किसी परेशानी के कर सकें।

जो मतदाता निर्वाचन फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेज में से कोई एक दिखाना होगा। उन्होंने बताया कि 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेज में आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र/राज्य सरकार/पीएसयू/सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक/डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों/विधायकों/एमएलसी को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी शामिल है।

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह 29 को

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बीकानेर। तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर का द्वितीय दीक्षांत समारोह 29 अप्रेल को अपराह्न 12 बजे विश्वविद्यालय परिसर में राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा। जन सम्पर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बाताया कि द्वितीय दीक्षांत समारोह-2024 के दौरान इस वर्ष बीआर्क, बी डिजाइन, बीटेक, एमटेक, एमबीए, एमसीए पाठयक्रम सहित कुल 20 स्वर्ण पदक एवं बीटेक 2529, बीटेक (होनर्स) 18, एमबीए 426, एमसीए 139, एमटेक 42, बीआर्क 3, बी डिजाइन 14 पाठयक्रम सहित कुल 3171 डिग्रीयों का वितरण किया जाएगा।

दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर आज कुलपति प्रो. अम्बरीष शरण विद्यार्थी ने समीक्षा बैठक आयोजित की जिसमें समारोह के सफल आयोजन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई और तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में कुलपति ने आयोजन समिति के सभी सदस्यों से कार्यो का प्रगति विवरण प्राप्त कर विचार विमर्श किया और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। आयोजन की सफलता को लेकर कुलपति द्वारा आयोजन स्थल का दौरा कर व्यवस्थाओं की भी जांच की गयी। दीक्षांत समारोह में बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के विभिन्न सम्बद्ध महाविद्यालयों के निदेशक/प्राचार्य, विश्वविद्यालय प्रबन्ध मण्डल एवं विद्या परिषद के सदस्यगण, राजस्थान राज्य के एवं अन्य विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, कार्यालयाध्यक्ष, कुलसचिव, समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण, संकायसदस्य, शिक्षकगण, शिक्षाविद, विद्यार्थी व उनके अभिभावक, प्रशासनिक अधिकारीण, गणमान्य नागरिक, मीडिया के प्रतिनिधिगण एवंआमंत्रित विशिष्ठ अतिथिगण भी शिरकत करेंगे।

लोकतंत्र का महापर्व आज जिले के साढे आठ लाख से अधिक मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बून्दी। लोकसभा आम चुनाव 2024 को लेकर जिले की तीनों विधानसभाओं में शुक्रवार सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक 906 मतदान केन्द्रों पर मतदान होगा। जिले में 8 लाख 69 हजार 329 मतदाता मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें हिण्डोली विधानसभा क्षेत्र के 1 लाख 43 हजार 845 पुरूष व 1 लाख 32 हजार 416 महिला, बूंदी विधानसभा क्षेत्र के 1 लाख 59 हजार 169 पुरूष व 1 लाख 53 हजार 178 महिला तथा केशोरायपाटन विधानसभा क्षेत्र के 1 लाख 45 हजार 205 पुरूष व 1 लाख 35 हजार 514 महिला मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगी। इसके अलावा थर्ड जेण्डर मतदाता भी मतदान करेंगे। सभी मतदान केंद्रों पर मतदान की तैयारियां पूरी हो गई हैं। मतदाताओं की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखते हुए इस बार मतदान केन्द्रों को तैयार किया गया है वहीं दिव्यांग मतदाताओं की सुगमता के लिए विशेष इंतजाम किए गए है। बूंदी जिले में 906 मतदान केंद्र बनाए गए है। हिंडोली विधानसभा क्षेत्र में 285 मतदान केन्द्र, केशोरायपाटन विधानसभा क्षेत्र में 295 तथा बूंदी विधानसभा क्षेत्र में 326 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इनमें 17 अतिरिक्त मतदान केन्द्र शामिल है। मतदान समाप्ति के समय शाम 6 बजे तक जो भी मतदाता मतदान केन्द्र में मतदान के लिए कतारबद्ध या एकत्र रहेंगे, उन्हें मतदान केन्द्र के भीतर लेकर समय समाप्ति पर मतदान केंद्र का द्वार बंद कर दिया जाएगा। मतदान केन्द्रों में मौजूद सभी मतदाताओं को मतदान का अवसर दिया जाएगा। मतदान के दौरान मतदान केंद्रों के 100 मीटर एवं 200 मीटर के दायरे में विशेष हिदायत निर्वाचन आयोग द्वारा दी गई हैं। प्रावधानों के उल्लंघन पर निर्वाचन प्रावधानों के तहत कार्रवाई होगी। मतदान के दौरान निर्वाचन नियमों के तहत मतदान केन्द्र के एक सौ मीटर के भीतर प्रचार करना निषिद्ध होगा। कोई भी व्यक्ति, जो ऐसा करता है, पुलिस द्वारा वांरट के बिना गिरफ्तार किया जा सकता है। इसके अलावा मतदान केन्द्र से 200 मीटर के परिक्षेत्र में कोई भी चुनाव अभ्यर्थी अपना चुनाव बूथ नहीं लगा सकेंगे। मतदान केन्द्रों में किसी कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति प्रवेश नहीं कर सकेंगे। मतदान केन्द्रों में अधिकृत प्रवेश पत्र के साथ ही प्रवेश किया जा सकेगा। मतदान के दौरान कोई भी व्यक्ति या मतदानकर्मी मतदान केन्द्र के भीतर मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे। मतदान केन्द्र में फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी अधिकृत व्यक्तियों द्वारा ही की जा सकेगी, लेकिन इसमें मतदान कंपार्टमेंट के दूर से ही चित्र लेना होगा, ताकि मतदान की गोपनीयता बनी रहे। लोकसभा आम चुनाव 2024 के तहत मतदान से पूर्व बनावटी मतदान किया जाएगा। यह मतदान शुरू होने के एक घंटे पहले मतदान अभिकर्ताओं की उपस्थिति में होगा। उस समय यदि कोई भी मतदान अभिकर्ता उपस्थित नहीं हो या केवल एक ही मतदान अभिकर्ता उपस्थित हो तो पीठासीन अधिकारी 15 मिनट तक अन्य मतदान अभिकर्ता का इन्तजार करेंगे। इसके बाद मॉक पोल कर लेंगे।

निडर होकर, निष्पक्षता के साथ शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराए चुनाव - प्रवीण गुप्ता

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नकिया मतदान दल रवानगी स्थल का अवलोकन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। लोकसभा आम चुनाव 2024 के अन्तर्गत टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा क्षेत्र में 26 अप्रैल को होने वाले मतदान प्रक्रिया को सुगम, निष्पक्ष एवं सरल बनाकर सभी मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से चलाई जा रही स्वीप गतिविधियां सहित एकीकृत नियंत्रण कक्ष, वेब कास्टिंग एवं मतदान दल रवानगी स्थल का गुरूवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान प्रवीण गुप्ता ने अवलोकन किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सवाईमाधोपुर जिला परिषद स्थित स्वीप प्रकोष्ठ में संबंधित स्वीप पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने में सभी मतदाताओं की भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी मतदाताओं को 26 अप्रैल को हैप्पी हवर्स में जाकर मतदान करने की अपील करने के साथ-साथ जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा सेल्फी पॉइन्ट, मतदान कर अमिट स्याही का निशान दिखाने पर शहरी क्षेत्र के विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा आकर्षक ऑफर एवं डिस्काउंट का लाभ प्राप्त कर सकते है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को आकर्षित करने के उद्देश्य से मतदान केन्द्रों पर शीतल जल, छाया, दिव्यांग एवं बुजुर्गो के लिए व्हीलचैयर की सुविधा मिलेगी।

उन्होंने वेबकास्टिंग, कन्ट्रोल रूम का सद्उपयोग कर जहां मतदान प्रतिशत हैप्पी हावर्स में कम रहा वहां हेला टोली व अन्य विभागीय टीमों के माध्यम से जिन मतदान केन्द्रों पर मतदान प्रतिशत कम रहता है वहां पर सूक्ष्म स्तर पर कार्य कर मतदाताओं को उनके मताधिकार का प्रयोग हेतु मतदान केन्द्रों पर लाने का प्रयास किया जाए। गुप्ता ने गत लोकसभा चुनाव में जिन मतदान केन्द्रों पर मतदान प्रतिशत कम रहा है वहां पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा सहयोगनियों, राजीविका की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं सहित अन्य विभागों की सहायता से महिला एवं अन्य मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। इस दौरान उन्होंने मतदान दल रवानगी स्थल पर जाकर मतदान दल के पीठासीन एवं मतदान अधिकारियों से ईवीएम के माध्यम से मतदान दिवस पर अपनाई जाने वाली प्रक्रिया, मॉकपोल, फॉर्म, वेबकास्टिंग, कन्ट्रोल रूम, सेक्टर अधिकारियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने सभी मतदान कार्मिकों को पूर्ण आत्म विश्वास से बिना किसी भय, भेदभाव के चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्षता के साथ शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के निर्देश दिए है। इस दौरान उन्होंने ईडीसी पोस्टल बैलेट प्रकोष्ठो, ईवीएम कन्ट्रोल रूम का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारी को प्रदान किए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय सवाई माधोपुर में स्थापित एकीकृत चुनाव नियंत्रण कक्ष पर जाकर सी-विजिल, कन्ट्रोल रूम के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया को किस प्रकार सरल, सुगम एवं शांतिपूर्ण बनाया जाए इस संबंध में कन्ट्रोल रूम प्रभारी अमर सिंह से चर्चा की।

इस दौरान उन्होंने कन्ट्रोल से पीठासीन अधिकारियों को फोन करवाकर कन्ट्रोल रूम पर प्राप्त होने वाली शिकायत निवारण में लगने वाले समय, तत्परता की जानकारी प्राप्त की। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग में की जा रही वेबकास्टिंग का कानून व्यवस्था एवं मतदान प्रतिशत बढ़ाने में सद्उपयोग करने के निर्देश जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. खुशाल यादव को दिए है। उन्होंने स्वीप टीम को भी वेबकास्टिंग कक्ष में बैठने की सलाह दी है ताकि मतदान प्रतिशत बढ़ाने में मदद प्राप्त की जा सके।

दूसरे चरण की 13 लोकसभा सीटों के लिए होने वाले मतदान लिए पोलिंग पार्टियां रवाना

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान में दूसरे चरण के लिए आज सुबह 7 बजे से वोटिंग शुरू होगी, जो शाम 6 बजे तक चलेगी। 13 लोकसभा सीटों के लिए होने वाली इस वोटिंग के लिए आज पोलिंग पार्टियां रवाना हो गई। ज्यादा से ज्यादा वोटिंग हो इसके लिए व्यापारियों ने भी अपने-अपने प्रतिष्ठान पर डिस्काउंट देने का ऐलान किया है। जयपुर की बात करें तो आज सुबह सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन परिसर से दूदू विधानसभा क्षेत्र जो अजमेर लोकसभा क्षेत्र में आता है। वहां कल वोटिंग करवाने के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना हुई। इस विधानसभा सीट पर करीब 2 लाख 54,641 वोटर्स है, जो कल वोटिंग करेंगे। अजमेर लोकसभा सीट पर 14 उम्मीदवार मैदान में है। यहां बीजेपी ने मौजूदा सांसद भागीरथ चौधरी को मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस ने अजमेर डेयरी के चेयरमैन रामचंद्र चौधरी को उम्मीदवार बनाया है। राजनीति से जुड़े जानकार बता रहे है कि इस सीट पर इन दोनों उम्मीदवार के लिए कांटे की टक्कर है। कल वोटिंग होने के बाद शाम 7 बजे से पोलिंग पार्टियां जयपुर मुख्यालय आएगी। यहां जेएलएन मार्ग स्थित राजस्थान कॉलेज में ईवीएम मशीने जमा होगी। इसके बाद वोटो की गिनती 4 जून को होगी। जयपुर लोकसभा चुनाव की ताजा खबरें पढ़ने के लिए दैनिक भास्कर ऐप डाउनलोड करें। इस लोकसभा सीट पर क्या हैं जनता के मुद्दे और क्या है चुनावी हवा। चुनाव का सबसे सटीक और डीटेल एनालिसिस।

'द ग्रेट इंडियन ट्रेवल बाजार 2024' की तैयारियों पर हुई चर्चा, जयपुर में 5 से 7 मई के बीच होना है आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जयपुर में 5 से 7 मई 2024 को आयोजित होने वाले तीन दिवसीय द ग्रेट इंडियन ट्रेवल बाजार 2024 की तैयारियों के सम्बन्ध में मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में गुरुवार को शासन सचिवालय में बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने इस आयोजन में राजस्थान की पर्यटन विशेषताओं को मुख्य रूप से प्रस्तुत किए जाने पर जोर दिया। आयोजन में स्टेक होल्डर्स, जिसमें विदेशी डेलिगेट्स प्रमुख है को राजस्थान की परंपरा के अनुसार आमंत्रित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्थानी व्यंजनों को बढ़ावा दिए जाने के लिए आयोजन के दौरान कम से कम एक बार के भोजन में राजस्थान के व्यंजनों को प्रमुखता से शामिल करने के निर्देश दिए। पंत ने तीन दिवसीय आयोजन के उद्घाटन कार्यक्रम को अधिक आकर्षक बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर राजस्थान की कला,पर्यटन और इतिहास आधारित सांस्कृतिक आयोजन को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया जाए। पर्यटन निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा ने बैठक में जीआईटीबी के शेड्यूल की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि पहले दिन 5 मई 2024 को वेड इन इंडिया एक्सपो सुबह 9:45 से शाम 4:30 बजे तक महारानी महल रामबाग पैलेस में किया जाएगा। वेड इन इंडिया एक्सपो का उद्देश्य है कि देश और विदेश के पर्यटकों द्वारा ज्यादा से ज्यादा राजस्थान में वैडिंग की जाए, जिससे राज्य के पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। इसी दिन शाम 6:30 बजे जय महल पैलेस में जीआईटीबी का औपचारिक उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। दूसरे दिन व तीसरे दिन 6 व 7 मई 2024 को जयपुर के सीतापुरा में जेईसीसी हॉल में सुबह 9:30 से शाम 6 बजे तक एग्जीबीशन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विदेशी टूर ऑपरेटर्स के साथ राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बी टू बी मीटिंग आयोजित की जाएंगी। इस आयोजन के बाद से 8 मई से फॉरेन टूर ऑपरेटर्स को राजस्थान भ्रमण भी करवाया जाएगा। जिससे वे राजस्थान में पर्यटन आकर्षणों को अनुभव कर सकेंगे। डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया कि द ग्रेट इंडियन ट्रेवल बाजार 2024 में 250 विदेशी टूर ऑपरेटर, कई इंटरनेशनल वेडिंग प्लानर्स एवं घरेलू वेडिंग प्लानर्स सहभागिता कर रहे हैं, जो पर्यटन और वेडिंग से संबंधित अपने उत्पादों को प्रस्तुत करेंगे। इस आयोजन में गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गोवा, तमिलनाडु और उड़ीसा पर्यटन सहभागिता कर रहे हैं। इस आयोजन में राजस्थान के विभिन्न ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशंस भी सहभागिता कर रहे हैं। जिनमें फिक्की, इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन, राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स, होटल्स एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान प्रमुख हैं। उल्लेखनीय है कि राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से 2008 से आयोजित हो रहे द ग्रेट इंडियन ट्रेवल बाजार के 13 वें संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य सचिव ने द ग्रेट इंडियन ट्रेवल बाजार 2024 के आयोजन में विभिन्न व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए आरटीडीसी, पुलिस विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, स्वायत्त शासन विभाग, जयपुर नगर निगम हैरिटेज व ग्रेटर, यूडीएच, जेडीए, पुरातत्व व म्यूजियम, जेवीवीएनएल, डीआईपीआर, एयरपोर्ट अथोरिटी जयपुर और वन विभाग सहित विभागों को आयोजन से सम्बंधित अपने अपने दायित्वों के निर्वहन करने के निर्देश दिए। जिससे इस आयोजन में आने वाले देश-विदेश के डेलिगेट्स एक अच्छा अनुभव लेकर वापस लौटे। बैठक में डीजीपी यू आर साहू, एसीएस वन अपर्णा अरोड़ा, आयुक्त जयपुर पुलिस बीजू जॉर्ज जोसफ, एडीजी यातायात हवा सिंह घुमरिया, प्रमुख शासन सचिव यूडीएच एवं एलएसजी भास्कर ए सावंत, जयपुर जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

तेज गर्मी और लू को देखते हुए पक्षियों के पानी पीने के लिए परिंडे लगाएं

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के शासन सचिव डॉ समित शर्मा ने कहा कि तेज गर्मी और लू को देखते हुए पक्षियों के पानी पीने के लिए परिंडे लगाए ताकि पानी की तलाश में पक्षियों को भटकना नहीं पड़े। इनकी चहचहाट सुनने के लिए अपने आसपास के वातावरण में दाना पानी रखना होगा ताकि भोजन एवं पानी की तलाश में ये हमारे वातावरण को सुना करके ना जाए। शासन सचिव ने जल भवन में पक्षियों के लिए लगाए 11 परिंडे के दौरान यह बात कही।साथ ही उन्होंने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के सभी कार्यालयों, हेड वर्क्स, पंप हाउस आदि में परिंडे एवं चुगा पात्र लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि विभाग के अधीनस्थ सभी कार्यालय में परिंडे जरूर लगाना चाहिए। पक्षियों की फिक्र करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। गर्मियों में पक्षियों को पीने का पानी व चुग्गे की कमी होने के कारण इनकी अकाल मृत्यु हो जाती है। इसी प्रकार पशुधन को भी पानी की व्यवस्था के अभाव में भटकना पड़ता है। विभागीय स्रोतों/ हैडवर्क्स के पास ओवरफ्लो/ लीकेज आदि से पानी बेकार होता है, इसे भी खेळी से जोड़कर इसका समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जा सकता है। अतः पक्षियों एवं जीव जन्तुओं के जीवन को बचाने के उद्देश्य से विभाग के समस्त कार्यालयों, पम्प हाउस, हैड वर्क्स आदि पर कार्मिकों, भामाशाह, गैर-सरकारी संगठन, आमजन आदि के सहयोग व सहभागिता से सुगम स्थानों पर वृक्षों पर पक्षियों के लिए परिंडे व चुग्गा पात्र स्वेच्छा से लगवाया जाकर पुण्य के भागीदार बनें। डॉ शर्मा ने कहा कि पक्षियों के परिंडों में प्रतिदिन पानी एवं चुग्गा पात्र में चुग्गे की समुचित व्यवस्था स्वेच्छा से कार्मिकों द्वारा आपसी सहयोग से की जा सकती है, एवं परिंडों में प्रतिदिन पानी भरने की जिम्मेदारी स्थानीय सेवाभावी कार्मिकों को दी जा सकती है।

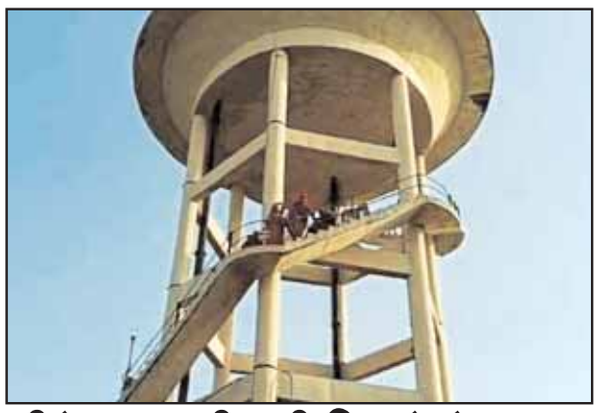

पीने का पानी नहीं मिलने से नाराज महिलाएं पानी की टंकी पर चढ़ी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

भरतपुर। गुरुवार सुबह भरतपुर जिले के भुसावर कस्बे में पेयजल की समस्या को लेकर लोगों ने हंगामा कर दिया। पीने का पानी नहीं मिलने से नाराज लोगों ने जलदाय विभाग के कार्यालय पर तालाबंदी कर दी और महिलाएं पानी की टंकी पर चढ़ गई। महिलाओं के हंगामें और पानी की टंकी पर चढने के बाद वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई।

घटना की सूचना मिलने पर जलदाय विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और आक्रोशित महिलाओं को समझाने का प्रयास किया। काफी देर के बाद जल्द पानी आने के आश्वाशन के बाद महिलाएं लगभग एक घंटे के बाद पानी की टंकी से नीचे उतरी।

वायु सेना का टोही विमान जैसलमेर में हुआ क्रैश, बॉर्डर एरिया पर निगरानी कर रहा था

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जैसलमेर। जैसलमेर से 30 किमी दूर भारतीय वायुसेना का एक टोही विमान क्रैश हो गया। हादसा गुरुवार सुबह 10 बजे के करीब पिथला-जाजिया गांव के पास भोजाणियों की ढाणी के पास हुआ। हालांकि हादसे में किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन के साथ वायुसेना के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंची। वायुसेना के अधिकारी क्रैश के कारणों की जांच कर रहे हैं। अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक यह यूएवी एयर क्राफ्ट है जो मानव रहित होता है और बॉर्डर एरिया पर हो रही गतिविधियों पर नजर रखने के काम आता है। यह बॉर्डर एरिया में लगातार घूमता है और निगरानी करता है। इससे पहले भी ये क्राफ्ट तकनीकी खामी के चलते क्रैश हो चुके हैं। यूएवी टोही विमान एक सैन्य विमान है। इसे इमेजरी इंटेलिजेंस, सिग्नल इंटेलिजेंस, साथ ही अन्य खुफिया जानकारियां जुटाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। 2 साल पहले 2024 जैसलमेर में भारतीय वायुसेना का टोही विमान शहर के पास स्थित कॉलोनी के पास सुनसान इलाके में क्रैश हो गया था। हालांकि प्लेन क्रैश से कोई हताहत नहीं हुआ। इस विमान का वजन लगभग 150 किलो था। बताया गया कि यूएवी लैंड कर रहा था, लेकिन समय से पहले ही वह सुनसान इलाके में गिर गया।

लोकसभा आम चुनाव-2024 : द्वितीय चरण वाले लोकसभा क्षेत्रों में वर्ष 2019 के मुकाबले 23 लाख से अधिक मतदाता बढ़े

जयपुर। राज्य में लोकसभा आम चुनाव-2024 के तहत दूसरे चरण में मतदान वाले 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 2,80,78,399 मतदाता पंजीकृत हैं। इसमें 1,44,74,618 पुरूष, 1,36,03,457 महिला और 324 ट्रांसजेडर मतदाता हैं। सर्विस वोटर्स की संख्या 26,837 है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण गुप्ता ने बताया कि द्वितीय चरण में मतदान वाले इन 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में वर्ष 2019 के मुकाबले 23,02,211 मतदाता बढ़े हैं। वर्ष 2019 में इन क्षेत्रों में कुल 2,57,76,188 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें 1,33,06,422 पुरूष, 1,24,69,627 महिला और 139 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। साथ ही, सर्विस वोटर्स की संख्या 25,840 है। गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2019 के मुकाबले 18-19 वर्ष आयु वाले नव मतदाताओं की संख्या 7.13 लाख से बढ़कर 8.66 लाख हो गई है। इसके साथ ही दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 2.53 लाख से बढ़कर 3.23 लाख, एनआरआई मतदाताओं की संख्या 70 से बढ़कर 130 हो गई है। गुप्ता ने बताया कि सर्वाधिक 2,67,399 मतदाता बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र में बढ़े हैं। इसके साथ ही, जालोर में 2,26,448, बांसवाड़ा में 2,25,239, टोंक-सवाई माधोपुर में 2,04,624, पाली में 1,86,611, जोधपुर में 1,81,486, उदयपुर में 1,61,681, चित्तौड़गढ़ में, 1,54,827, राजसमंद में 1,51,567, भीलवाड़ा में 1,51,329, कोटा में 1,40,843, झालावाड़-बारां में 1,27,104 और अजमेर में 1,23,053 वृद्धि हुई है।

46 बीघा भूमि पर सात अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-11 में निजी खातेदारी की करीब 14 बीघा कृषि भूमि पर 03 नवीन अवैध कॉलोनियों को प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्त किया गया। साथ ही जोन-12 में निजी खातेदारी की करीब 32 बीघा कृषि भूमि पर 04 नवीन अवैध कॉलोनियों को प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्त किया गया। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन महेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि जोन-11 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम पवालिया, तहसील सांगानेर जिला जयपुर में करीब 04 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गयी ग्रेबल सडकें, भूखण्डों का डिमार्केषन कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-11 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही जोन-11 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-11 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम पवालिया, तहसील सांगानेर, अस्पताल के पीछे जिला जयपुर में करीब 04 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर के विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गयी मिट्टी-ग्रेबल सडकें, भूखण्डों का डिमार्केषन कर व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही जोन-11 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

जेडीए द्वारा जोन-11 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम किषोरपुरा, तहसील सांगानेर जिला जयपुर में करीब 06 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''षिवविहार'' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गयी मिट्टी-ग्रेबल सडकें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-11 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी मे हुई स्वास्थ्य पर चर्चा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। महर्षि अरविंद यूनिवर्सिटी में फार्मेसी और सतत स्वास्थ्य देखभाल पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं में नवीनतम रुझान और चुनौतियां विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।इस दौरान प्राकृतिक दबाव और जीवन शैली के माध्यम से जीवन को स्वस्थ रखना पर भी विशेषज्ञ ने चर्चा की। विशेषज्ञ के रूप में परिचित मैंगि ने फार्मा से जुड़े हुए विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डाला।

मुख्य संरक्षक भारत पाराशर ने स्वस्थ जीवन शैली की आवश्यकता पर व्याख्यान दिया,

उन्होंने लाइफस्टाइल डिजीज को जीवन से दूर रखने की आवश्यकता बताइए। मुख्य वक्ता के रूप में बिंदु ने दवाओं के उपयोग एवं फार्मा इंडस्ट्री में किस तरह से बेहतर कार्य किया जा सकता है, विषय पर प्रकाश डाला।

दूसरों के दर्द को समझे अपना

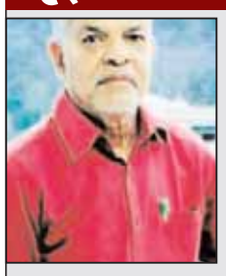

एसकेमंगल

करुणा और प्रेम को सकारात्मक विचारों और भावनाओं के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जो जीवन में आशा, साहस, दृढ़ संकल्प और आंतरिक शक्ति जैसी आवश्यक चीजों को जन्म देते हैं। बौद्ध परंपरा में करुणा और प्रेम को एक ही चीज के दो पहलुओं के रूप में देखा जाता है। करुणा दूसरे प्राणी की पीड़ा से मुक्त होने की इच्छा है और प्रेम यह चाहता है कि उन्हें खुशी मिले। हर प्रकार के सुख और दुख को दो श्रेणियों में विभाजित करना संभव है। ये हैं- मानसिक और शारीरिक। इन दोनों में से यह मन ही है, जो सबसे ज्यादा प्रभाव डालता है। जब तक हम गंभीर रूप से बीमार न हों या बुनियादी जरूरतों से वंचित न हों, हमारी शारीरिक स्थिति जीवन में गौण भूमिका निभाती है। यदि शरीर संतुष्ट है, तो हम असल में इसे अनदेखा कर देते हैं। हालांकि मन हर घटना को दर्ज करता है, चाहे वह कितनी भी छोटी क्यों न हो। इसलिए हमें शारीरिक आराम के बजाय मानसिक शांति लाने के लिए सबसे ज्यादा और गंभीर प्रयास करने चाहिए। निरंतर प्रशिक्षण के माध्यम से वास्तव में सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ा सकते हैं। इससे नकारात्मकता कम होने लगेगी। चेतना का एक क्षण भी कई कारकों पर निर्भर करता है और जब हम इन विभिन्न कारकों को बदलते हैं, तो मन भी बदल जाता है। दूसरों के दुख को याद करने से, दूसरों के प्रति दया महसूस करने से हम अपना दुख कम कर सकते हैं। हर नए अनुभव के साथ हम धीरे-धीरे दयालु बनने का प्रयास कर सकते हैं, दूसरों की पीड़ा के प्रति सच्ची सहानुभूति और उनके दर्द को दूर करने में मदद करने की इच्छाशक्ति विकसित कर सकते हैं। इससे हमारी शांति और आतंरिक शक्ति बढ़ेगी। दूसरों का दर्द भी अपना समझें। दूसरों के दुख को याद करने से, दूसरों के प्रति दया महसूस करने से हम अपना दुख कम कर सकते हैं। इस प्रकार, हर नई बाधा को दिमाग को बेहतर बनाने के एक और नए व मूल्यवान अवसर के रूप में देखा जा सकता है, साथ ही हमारी करुणा को गहरा करने के एक और अवसर के रूप में भी।

संपादकीय

तमाम कोशिशों के बावजूद इलाज आम लोगों की पहुंच से दूर

जेनेरिक दवाओं की अनिवार्यता और जनऔषधि केंद्र खुलने के बाद भी अनेक दवाओं की कीमतें बहुत सारे लोगों की क्षमता से बाहर हैं। इसे लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। अब सर्वोच्च न्यायालय ने भी इसे रेखांकित करते हुए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन यानी आइएमए को फटकार लगाई है। सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर, विस्तृत और व्यावहारिक बनाने की तमाम कोशिशों और दावों के बावजूद हकीकत यही है कि बहुत सारे लोगों को उसका लाभ नहीं मिल पाता है। सामान्य बीमारियों में भी चिकित्सक इतनी तरह की जांच और दवाएं लिख देते हैं कि उसका खर्च उठाना सामान्य लोगों के लिए कठिन होता है। जेनेरिक दवाओं की अनिवार्यता और जनऔषधि केंद्र खुलने के बाद भी अनेक दवाओं की कीमतें बहुत सारे लोगों की क्षमता से बाहर हैं। इसे लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। अब सर्वोच्च न्यायालय ने भी इसे रेखांकित करते हुए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन यानी आइएमए को फटकार लगाई है। पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापन मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने आइएमए से मरीजों को दी जाने वाली महंगी और गैरजरूरी दवाओं तथा अनैतिक कृत्यों पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। दरअसल, आइएमए ने ही पतंजलि के खिलाफ भ्रामक विज्ञापन देने पर मुकदमा दायर किया था। सर्वोच्च न्यायालय की फटकार को आइएमए कितनी गंभीरता से लेगा, कहना मुश्किल है।

दरअसल, हमारे यहां चिकित्सा व्यवस्था में मनमानी की परत-दर-परत चढ़ती गई है। सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के लचर होने की वजह से निजी चिकित्सा व्यवस्था लगातार मजबूत होती गई और अब वह एक प्रकार के बड़े दबाव समूह के रूप में काम करने लगी है। उसमें दवा बनाने और जांच करने वाली कंपनियों का भी गठजोड़ है। आइएमए से अपेक्षा की जाती है कि वह चिकित्सा जगत में चल रही अनियमितताओं पर नजर रखे और उन्हें दूर करने का प्रयास करे, मगर वह खुद इनके लिए एक प्रकार का सुरक्षा कवच तैयार करता नजर आता है। नहीं तो, क्या वजह है कि अनावश्यक दवाएं, जांच लिखी और बेवजह मरीजों को लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रखा जाए। अनेक निजी अस्पतालों में इलाज पर आए खर्च को लेकर सवाल उठते रहे हैं। आखिर चिकित्सा व्यवस्था को इतनी महंगी और आम जन की पहुंच से दूर क्यों होना चाहिए। अगर सचमुच आइएमए को लोगों की सेहत और सही चिकित्सा की परवाह है, तो उसे आम लोगों की पहुंच से दूर होते जा रहे इलाज की चिंता क्यों नहीं होनी चाहिए।

तेल की धार : ईरान-इस्राइल संघर्ष और भारत, बड़ी चुनौती है व्यापार संतुलन

इससे ऐसा लगता है कि इस्राइल ने रणनीतिक दृष्टि से अपना लक्ष्य चुना है, क्योंकि इस्फहान शहर ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े स्थलों का घर है, जिसमें इसका भूमिगत नतांज संवर्धन स्थल भी है। पश्चिम एशिया पिछले एक अप्रैल से ही उबल रहा है, जब इस्राइल ने सीरिया स्थित ईरान के दूतावास पर हमला किया था। उसके बाद इस क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ गया है, क्योंकि पहली बार ईरान ने पलटवार करते हुए सीधे इस्राइल पर हमला किया, जिसकी प्रतिक्रिया में इस्राइल ने इस्फहान में ताजा हमला किया है। दोनों धुर विरोधी मुल्कों के बीच दशकों से जो छद्म युद्ध चल रहा था, उसने अब गंभीर मोड़ ले लिया है, जिसने वैश्विक अर्थव्यवस्था और राजनीतिक स्थिरता के लिए चिंता बढ़ा दी है।

यह प्रासंगिक है कि भारत पश्चिम एशिया में आने वाले समय में भू-राजनीतिक घटनाक्रमों से निपटने के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाए। इस मोर्चे पर किसी भी नीतिगत चर्चा के लिए भारत के दीर्घकालिक आर्थिक और रणनीतिक हितों का पुनर्मूल्यांकन करने और जल्द ही उत्पन्न होने वाली जरूरतों के प्रबंधन के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है। बीते 19 अप्रैल को इस खबर के आते ही कि ईरान के इस्फहान शहर के करीब एक प्रमुख एयरबेस के पास एक बड़ा धमाका हुआ है, अमेरिकी अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की कि इस्राइल ने ड्रोन से ईरान में अपना सैन्य अभियान छेड़ दिया है। इससे ऐसा लगता है कि इस्राइल ने रणनीतिक दृष्टि से अपना लक्ष्य चुना है, क्योंकि इस्फहान शहर ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े स्थलों का घर है, जिसमें इसका भूमिगत नतांज संवर्धन स्थल भी है। पश्चिम एशिया पिछले एक अप्रैल से ही उबल रहा है, जब इस्राइल ने सीरिया स्थित ईरान के दूतावास पर हमला किया था। उसके बाद इस क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ गया है, क्योंकि पहली बार ईरान ने पलटवार करते हुए सीधे इस्राइल पर हमला किया, जिसकी प्रतिक्रिया में इस्राइल ने इस्फहान में ताजा हमला किया है। दोनों धुर विरोधी मुल्कों के बीच दशकों से जो छद्म युद्ध चल रहा था, उसने अब गंभीर मोड़ ले लिया है, जिसने वैश्विक अर्थव्यवस्था और राजनीतिक स्थिरता के लिए चिंता बढ़ा दी है। पूरी दुनिया उत्सुकता से इन घटनाक्रमों को देख रही है और इसके प्रभावों की प्रतीक्षा कर रही है। यह एडवर्ड लॉरेन्ज के 'बटरफ्लाइ इफेक्ट' की याद दिलाता है, जो कहता है कि तितली के पंख फड़फड़ाने से भविष्य में हजारों मील दूर के मौसम पर प्रभाव पड़ता है। इस अवधारणा की कल्पना एक तितली द्वारा पंख फड़फड़ा कर तूफान पैदा करने से की गई है। यह ईरान और इस्राइल के बीच बढ़ते तनाव तथा सामान्य रूप से शेष दुनिया एवं विशेष रूप से भारत पर पड़ने वाले प्रभावों के संदर्भ में सटीक है। भारत पर इस संघर्ष का सबसे बड़ा असर कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के जरिये पड़ेगा। यह इसलिए, क्योंकि भारत कच्चे तेल का दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है और पश्चिम एशिया वैश्विक कच्चे तेल के एक-तिहाई का आपूर्तिकर्ता है। ईरान और इस्राइल के बीच तनाव बढ़ते ही आपूर्ति संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गईं। चूंकि भारत अपनी जरूरत के 85 फीसदी कच्चे तेल की पूर्ति आयात से करता है, इसलिए कीमतों में जरा-सी वृद्धि होने पर भी आयात बिल काफी बढ़ जाता है, जिससे न केवल चालू खाते का घाटा बढ़ता है, बल्कि व्यापार संतुलन भी बिगड़ जाता है। दूसरी तरफ, पेट्रोल एवं डीजल की कीमतें बढ़ जाने से परिवहन लागत बढ़ जाती है, जो मुद्रास्फीति बढ़ाती है और आम आदमी का जीवन कठिन हो जाता है। इसके अलावा, तेल की उच्च कीमत और पश्चिम एशिया में अस्थिरता से डॉलर में मजबूती आएगी, जो भारतीय रुपये को और कमजोर करेगी और देश के समक्ष आर्थिक चुनौतियां बढ़ जाएंगी।

इसलिए यदि समय पर इसका प्रबंधन नहीं किया गया, तो इससे देश की व्यापक आर्थिक बुनियादें खतरे में पड़ जाएंगी। यह भी ध्यान देना प्रासंगिक है कि ईरान लेबनान में हिजबुल्ला, यमन में हूती और फलस्तीन में हमास का समर्थन करता है और उनसे सहयोग भी लेता है। ईरान और इस्राइल के बीच तनाव बढ़ने की स्थिति में इस बात की बहुत आशंका है कि ईरान अरब सागर और लाल सागर में व्यापार मार्ग को बाधित करने के लिए हूती विद्रोहियों का सहयोग ले। हाल के महीनों में इस्राइल-फलस्तीन संघर्ष के मद्देनजर हूती विद्रोहियों की बाधाओं के चलते पूरी दुनिया को पहले ही काफी नुकसान उठाना पड़ा है। आशंका इस बात की है कि ईरान दुनिया के सर्वाधिक रणनीतिक महत्व के होर्मूज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है, जो फारस की खाड़ी से खुले महासागर में जाने का एकमात्र समुद्री मार्ग है। यदि ऐसा हुआ, तो वैश्विक आपूर्ति शृंखला बाधित हो जाएगी, जिससे पूरी दुनिया में मुद्रास्फीति बढ़ने के साथ वैश्विक व्यापार में काफी उथल-पुथल होगा। कहने की जरूरत नहीं है कि भारत को भी बाधित व्यापार प्रवाह और उच्च मुद्रास्फीति और निर्यात क्षेत्र में घाटे का खामियाजा भुगतना पड़ेगा। भारत के इस्राइल और ईरान, दोनों देशों के साथ रणनीतिक हित जुड़े हुए हैं।

पिछले दस वर्षों में भारत के संबंध इस्राइल के साथ काफी घनिष्ठ हुए हैं और इस्राइल भारत को आतंकवाद के खिलाफ समर्थन देने के अलावा रक्षा उपकरणों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है। भारत इस्राइल का एशिया में दूसरा सबसे बड़ा और दुनिया में सातवां सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है। भारत में बड़ी संख्या में यहूदी रहते हैं और इस्राइल में भी 18,000 भारतीय रहते हैं, जो वहां इस्राइली बुजुर्गों की देखभाल करते हैं, सॉफ्टवेयर पेशेवर हैं, हीरा व्यापारी और छात्र हैं। जब इस्राइल ने हालिया संघर्ष के बाद अपने देश में फलस्तीनी श्रमिकों के प्रवेश को प्रतिबंधित कर दिया, तो भारत ने काफी श्रमिक इस्राइल भेजे। इस प्रकार भारत के इस्राइल के साथ रणनीतिक संबंधों के अलावा व्यापार, रक्षा और लोगों के आपसी संबंध भी हैं। दूसरी तरफ ईरान से भी भारत के पुराने संबंध हैं और इसे ईरान की भी उतनी ही जरूरत है, जितनी इस्राइल की। यह इसलिए कि भारत के मध्य एशियाई देशों, विशेष रूप से कजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, उज्बेकिस्तान आदि जैसे पूर्व सोवियत गणराज्य के राज्यों से रणनीतिक हित और ऐतिहासिक संबंध हैं। इन देशों में बड़े पैमाने पर हाइड्रो कार्बन के भंडार हैं। इन संसाधनों तक भारत की पहुंच और इन देशों से मजबूत आर्थिक और व्यापारिक रिश्तों को जारी रखने के लिए ईरान से होकर गुजरने वाले मार्ग की आवश्यकता है, क्योंकि पाकिस्तान के साथ भारत के अच्छे संबंध नहीं हैं। हालांकि अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते भारत ईरान से तेल नहीं खरीदना चाहता है, जबकि चीन लगातार ईरान से तेल खरीद रहा है। ऐसे में चीन की ईरान में बढ़ती उपस्थिति को देखते हुए इस क्षेत्र में चीनी प्रभुत्व का मुकाबला करने और मध्य एशिया तक अपनी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए ईरान से सौहार्द्रपूर्ण संबंध बनाए रखना जरूरी है। इस पृष्ठभूमि में, यह प्रासंगिक है कि भारत पश्चिम एशिया में आने वाले समय में भू-राजनीतिक घटनाक्रमों से निपटने के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाए। इस मोर्चे पर किसी भी नीतिगत चर्चा के लिए भारत के दीर्घकालिक आर्थिक और रणनीतिक हितों का पुनर्मूल्यांकन करने और जल्द ही उत्पन्न होने वाली जरूरतों के प्रबंधन के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है।

(लेखक एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं बिजनेस मैनेजमेंट विभाग के प्रमुख हैं।)

अंतरराष्ट्रीय राजनीतिः मुइज्जू और मालदीव की मुश्किलों के बीच नहीं होगा भारत की नीतियों में बदलाव

क्या मालदीव, जो 90,000 से ज्यादा वर्ग किलोमीटर में फैले 26 प्रवाल द्वीपों के आसपास करीब 1,200 मूंगा द्वीपों से बना है, अपने भविष्य पर ध्यान देगा? यदि ग्लोबल वार्मिंग मौजूदा गति से ही जारी रही, तो मालदीव अगले एक दशक में गायब हो जाएगा। फिर क्या वहां के लोग चीन जाएंगे? बीते 21 मई को मालदीव में संसदीय चुनाव हुआ, जिसमें इस्लामी राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू के गठबंधन पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने भारी जीत हासिल की, जिसने प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (पीपीएम) के साथ गठबंधन किया था। आरोप हैं कि चीनी पैसे के बल पर नतीजे बदल दिए गए। मालदीव की संसद में कुल 93 सीटें हैं, जिनमें मतदाताओं की संख्या कहीं 1,000 से भी कम है, तो कहीं 3,000 से थोड़ा ज्यादा। निवर्तमान पीपुल्स मजलिस ने मुइज्जू की कई पहलों के साथ-साथ नामांकित कैबिनेट सदस्यों की नियुक्ति को भी रोक दिया था। अब कम से कम कुछ महीनों तक राष्ट्रपति समर्थक और विरोधी सांसदों को मारपीट करते हुए नहीं देखा जा सकता है। वर्ष 2023 में मुइज्जू इंडिया आउट अभियान चलाकर राष्ट्रपति का चुनाव जीते थे। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया और उनके कुछ भारतीय पिछलग्गू इसे चीन की बहुत बड़ी जीत और भारत का भारी नुकसान बता रहे हैं, खासकर भारतीय सेना की छोटी-सी टुकड़ी के मालदीव छोड़ने के बाद। लेकिन ये विश्लेषक भ्रमित हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय संबंध ऐसा खेल नहीं है, जिसमें एक पक्ष को जितना लाभ होता है, ठीक उतनी ही हानि दूसरे पक्ष को होती है। यह बार-बार साबित हो चुका है, लेकिन कुछ लोग इससे सीखना नहीं चाहते। श्रीलंका में बेहद भ्रष्ट गोटाबया राजपक्षे परिवार (जो चीन का वफादार सेवक था) का शासन 2022 के मध्य में ताश के पत्तों की तरह ढह गया। वह कोलंबो से भागकर मालदीव गए, लेकिन वहां से भी उन्हें जाने के लिए कहा गया, तो सिंगापुर गए। उन्हें चीनी आका ने छोड़ दिया। या म्यांमार का ही उदाहरण ले लीजिए। बीजिंग समर्थित सैन्य शासन लड़खड़ा रहा है, विपक्षी गठबंधन का देश के आधे से अधिक हिस्से पर नियंत्रण है। म्यांमार में दो शब्द सर्वाधिक घृणित हैं-चीन और सेना। क्या मालदीव, जो 90,000 से ज्यादा वर्ग किलोमीटर में फैले 26 प्रवाल द्वीपों के आसपास करीब 1,200 मूंगा द्वीपों से बना है, अपने भविष्य पर ध्यान देगा? यदि ग्लोबल वार्मिंग मौजूदा गति से ही जारी रही, तो मालदीव अगले एक दशक में गायब हो जाएगा। फिर क्या वहां के लोग चीन जाएंगे? मालदीव के आयात शुल्क संग्रह में भारी गिरावट आई है, क्योंकि उसका चीन के साथ मुक्त व्यापार समझौता है। मार्च, 2024 में मालदीव के राष्ट्रपति ने भारत को अपना करीबी सहयोगी बताते हुए ऋण राहत की गुहार लगाई, क्योंकि उसकी अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गई है और पर्यटकों की संख्या भी 30 फीसदी कम हो गई है। बड़ी संख्या में भारतीयों द्वारा मालदीव का दौरा रद्द करने से उसके पर्यटन उद्योग में भूचाल आ गया है और आतंकवादियों से भी उसके रिश्ते उजागर हो गए हैं। फिर भी अप्रैल 2024 में, भारत से आवश्यक खाद्य पदार्थों की मांग के बाद, जिनमें कुछ ऐसे सामान भी थे, जिनके निर्यात पर प्रतिबंध है, हमने वे चीजें भेजकर दयालुता दिखाई, जबकि चीन ने केवल पीने का पानी भेजा था। मालदीव के विदेश मंत्री ने ट्वीट किया कि वह भारत की उदारता के लिए दिल से आभारी हैं। भारत ने 1980 के दशक में तख्तापलट के प्रयास को विफल करने में मालदीव की सहायता की और 2000 के दशक में जब वहां पानी का घोर संकट था, तो पेयजल की आपूर्ति की थी। फेलिक्स श्वार्जेनबर्ग ने हमें 19वीं सदी के मध्य में बताया था कि अंतरराष्ट्रीय मामलों में कृतज्ञता जैसी कोई चीज नहीं होती है। यह बात हम जानते हैं। वर्ष 2023 में आतंक समर्थक मुइज्जू ने अपने तीन कट्टर मुस्लिम मंत्रियों को हिंदू धर्म, भारत के प्रधानमंत्री और भारत के प्रति दुर्व्यवहार करने और अपने चीनी आका का पक्ष लेने के लिए कहा, क्योंकि वह चीन की यात्रा पर जा रहे थे। मुइज्जू अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से धन चाहते हैं, लेकिन उन्होंने एक संदिग्ध चीनी कंपनी को निर्माण परियोजनाएं सौंपी हैं, जिसने कंबोडिया और अंगोला को धोखा दिया है और जो विश्व बैंक एवं एडीबी की काली सूची में है। मालदीव पर चीन का लगभग 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर बकाया है, जो उसके विदेशी ऋण का पांचवां हिस्सा है। इस्लामी देशों में सबसे छोटा देश मालदीव पैगंबर से भी अधिक इस्लामी होने की कोशिश कर रहा है, और इस प्रक्रिया में खुद को नुकसान पहुंचाता दिख रहा है। चीन इस इस्लामी देश के साथ आ तो सकता है, लेकिन श्रीलंका की तरह जल्द ही पीछे हट जाएगा, क्योंकि मालदीव एक घातक कॉकटेल के नशे में है-कट्टरपंथी इस्लाम, भारी असमानता, सड़ी हुई राजनीति, ड्रग्स और आतंकवाद। खबरों के मुताबिक, मालदीव की संलिप्तता से भारत के खिलाफ 26/11 जैसे कम से कम दो हमले हुए, जिन्हें विफल कर दिया गया। हाशिये पर रहने वाले वर्गों के दस में से नौ मालदीव के युवाओं को दुनिया के इस्लामीकरण अभियान के लिए कट्टरपंथी बनाया गया है। वर्ष 2023 में भारतीय खुफिया विभाग ने एक मुस्लिम खनन इंजीनियर (जो विस्फोटकों के बारे में जानता था) को गिरफ्तार किया, जिसने अपने कुछ इंजीनियर दोस्तों के साथ मिलकर कई शहरों में विस्फोट किया था। उसकी हैंडलर मालदीव की एक महिला थी। राष्ट्रपति बनते ही मुइज्जू तुर्किये के दौरे पर गए थे। अब यह बात उजागर हो गई है कि वह मालदीव के आईएस से जुड़े 36 युवाओं को सीरिया से माले लाने के लिए अंकारा से मदद मांगने गए थे। तुर्किये ने उनकी मदद की और बदले में तुर्किये निर्मित लाखों डॉलर के ड्रोन बेचे, जो मालदीव के समुद्री क्षेत्र में गश्त लगाते हैं। पहले यह काम भारत और मालदीव मिलकर करते थे। चीन से उन्होंने गुहार लगाई कि वह तालिबान को 2019 में अफगानिस्तान में गिरफ्तार किए गए 243 आईएस खुरासान-प्रशिक्षित मालदीव के लोगों को रिहा करने के लिए राजी करें, जिन्हें 21 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। लेकिन काबुल ने साफ इन्कार कर दिया। गरीबी, खतरनाक राजनीति, सनकी नेता, अवसरों की कमी और आतंकी धन ने मालदीव को सनकियों का मुल्क बना दिया है। वहां के पांच फीसदी सबसे समृद्ध लोगों के पास देश की कुल संपत्ति का 95 फीसदी हिस्सा है। हाल में मालदीव में धार्मिक असहिष्णुता, इस्लामीकरण और आतंकवाद में बढ़ोतरी हुई है। मालदीव डूबने के कगार पर है, पर दुनिया के पास इसके लिए समय नहीं है। इसलिए मौजूदा चुनावी नतीजे का हमारे द्विपक्षीय रिश्ते पर असर नहीं पड़ेगा। हम उसी तरह मालदीव से निपटेंगे, जैसे निपटना चाहिए।

आस-पड़ोसः बलूचियों पर पाकिस्तानी हुकूमत के जुल्म

मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन होने के कारण दुनिया भर में इसकी निंदा हो रही है। विभाजन के समय बलूचिस्तान पाकिस्तान में शामिल नहीं होना चाहता था, लेकिन पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना के दबाव में उसे शामिल होना पड़ा। उस समय बलूच नेता कलात खान के संरक्षण में आजादी हासिल करने के लिए आंदोलन जारी था, जो बाद में और तेज हो गया। इसलिए बलूच राष्ट्रवादियों को पाकिस्तानी सरकार व सेना विद्रोही कहती है। उनकी नाराजगी पाकिस्तानी हुकूमत और सेना द्वारा ढाए जा रहे जुल्मों के कारण लगातार बढ़ती जा रही है।

पाकिस्तान में जहां एक तरफ लोग ईद मना रहे थे, वहीं बलूच समुदाय के लोग सड़कों पर पाकिस्तानी सरकार व सेना के अत्याचारों के खिलाफ देश भर में प्रदर्शन कर रहे थे। उनका विरोध पाकिस्तान से आजादी पाने और लापता बलूचियों की तलाश की मांग को लेकर था। दरअसल इन लोगों को पाकिस्तानी सेना ने गायब करवाया था और आज तक पता नहीं चल सका है कि वे जिंदा हैं, या नहीं। मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन होने के कारण दुनिया भर में इसकी निंदा हो रही है। विभाजन के समय बलूचिस्तान पाकिस्तान में शामिल नहीं होना चाहता था, लेकिन पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना के दबाव में उसे शामिल होना पड़ा। उस समय बलूच नेता कलात खान के संरक्षण में आजादी हासिल करने के लिए आंदोलन जारी था, जो बाद में और तेज हो गया। इसलिए बलूच राष्ट्रवादियों को पाकिस्तानी सरकार व सेना विद्रोही कहती है। उनकी नाराजगी पाकिस्तानी हुकूमत और सेना द्वारा ढाए जा रहे जुल्मों के कारण लगातार बढ़ती जा रही है। माना जा रहा है कि जब तक सेना और आईएसआई बलूचिस्तान पर अत्याचार बंद नहीं करती, उनमें पाकिस्तान से अलग होने की भावना खत्म नहीं होगी। अब तो उनकी आजादी की मांग अमेरिका और अन्य देशों तक पहुंच गई है। सरकार के अत्याचार से तंग आकर सैकड़ों बलूची पलायन करके विदेशों में बस गए हैं। वे रोज प्रदर्शन करके विश्व समुदाय का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर हस्तक्षेप करने की उम्मीद कर रहे हैं। इमरान खान की सरकार के समय से बलूचिस्तान के हालात और ज्यादा खराब हुए हैं। अब फौज के समर्थन से बनी गठबंधन सरकार इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रही है। वह बलूचियों पर अत्याचार कर रही है। बलूचियों के लापता होने के पीछे खुफिया एजेंसी का हाथ बताया जा रहा है। जो लोग लापता बलूचियों की तलाश करने की मांग करते हैं, उनकी हत्या कर दी जाती है। लगभग 25,000 से अधिक बलूचियों का अपहरण हुआ है और उनमें से ढाई हजार से अधिक लोगों के गोलियों से छलनी व अत्याचारों के प्रमाण देने वाले शव बरामद हुए हैं। अब बाकियों की तलाश की मांग जारी है। ईद के अवसर पर हुए प्रदर्शन में सैकड़ों महिलाएं और बच्चे अपने लापता परिजनों की तस्वीरें लेकर शामिल हुए थे। मगर मौजूदा पाक सरकार व सेना उनकी कोई मदद नहीं कर रही है, बल्कि अब भी बलूचियों को जबरन गायब करने का सिलसिला जारी है। क्षेत्रफल के हिसाब से बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है। यहां करीब एक करोड़ लोगों की आबादी है। प्राकृतिक संसाधनों के लिहाज से यह बाकी पाकिस्तान से ज्यादा समृद्ध है। पाकिस्तान के संविधान के अनुसार, बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों पर केंद्र और दूसरे प्रांतों का अधिकार कायम है, जबकि संसाधनों पर केवल बलूचियों को अधिकार मिलना चाहिए था। इस प्रांत में जो गैस पैदा की जाती है, उसकी आपूर्ति सारे पाकिस्तान में होती है और बलूचिस्तान को बहुत कम रॉयल्टी मिलती है। बलूची लोग चाहते हैं कि वहां से फ्रंटियर कोर की वापसी हो और उन पर लगाए गए मुकदमे वापस लिए जाएं। बलूचियों को इस बात का भी मलाल है कि ग्वादर बंदरगाह पर उन्हें काम देने के बजाय चीनियों को काम दे दिया गया है। जबकि बंदरगाह के निर्माण के समय उनसे वादा किया गया था कि बलूचियों को काम दिया जाएगा। चीन आर्थिक गलियारों को ग्वादर बंदरगाह से जोड़कर इस क्षेत्र को अपनी कॉलोनी बनाना चाहता है। हाल ही में पांच चीनी इंजीनियरों की हत्या हुई और उसके लिए बलूचियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। इन इंजीनियरों की हत्या के संदर्भ में पाकिस्तान चीन के आगे बेबस है। पाकिस्तान भारत पर अक्सर आरोप लगाता रहता है कि भारत बलूचियों को भड़काता है। लेकिन यह पाकिस्तान का बहुत बड़ा झूठा है। भारत इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं करना चाहता। ऐसे कई मौके आए हैं, जब विदेश में रह रहे बलूचियों ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद मांगी, ताकि पाकिस्तान से उन्हें छुटकारा मिल सके। जिस तरह पाकिस्तान कश्मीर का मसला अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहता है, भारत को भी बलूचियों पर ढाए जा रहे जुल्मों के मसले को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाना चाहिए। इससे कश्मीर के बारे में दुष्प्रचार करने वाले पाकिस्तान का असली चेहरा बेनकाब हो जाएगा।

जलवायु परिवर्तन की वजह से विभिन्न क्षेत्रों में महंगाई बढ़ने की आशंका

अब भारतीय रिजर्व बैंक ने भी माना है कि प्रतिकूल मौसम की वजह से महंगाई बढ़ सकती है। यह निस्संदेह रिजर्व बैंक के लिए भी बड़ी चिंता का विषय है। वह महंगाई को चार फीसद के नीचे रखना चाहता है। इसलिए मार्च में जब खुदरा महंगाई 4.9 फीसद दर्ज हुई तो कुछ उत्साह देखा गया था। तब रिजर्व बैंक ने दावा किया था कि वह जल्दी ही महंगाई पर काबू पा लेगा। मगर अब मौसम का रुख देखते हुए उसे लगने लगा है कि यह काम आसान नहीं होगा। अभी जब गेहूं की फसल कट कर खलिहान में पहुंची है, तो देश के अनेक इलाकों में मूसलाधार बारिश ने उसे भिगो दिया। बहुत सारा अनाज गोदाम में पहुंचने से पहले ही भीग गया।

हमारे कृषि क्षेत्र का बड़ा हिस्सा आज भी मानसून पर निर्भर है। बहुत सारे इलाकों में सिंचाई के संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। जिस वर्ष उन इलाकों में बारिश कम होती है या नहीं होती, उस वर्ष वहां उत्पादन खासा नीचे चला जाता है। जलवायु परिवर्तन का असर अब दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर नजर आने लगा है। खासकर कृषि क्षेत्र इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। मौसम का मिजाज बदलने से फसलें चौपट हो रही हैं, जिसका सीधा असर खाद्यान्न की कीमतों पर पड़ रहा है। अब भारतीय रिजर्व बैंक ने भी माना है कि प्रतिकूल मौसम की वजह से महंगाई बढ़ सकती है। यह निस्संदेह रिजर्व बैंक के लिए भी बड़ी चिंता का विषय है। वह महंगाई को चार फीसद के नीचे रखना चाहता है। इसलिए मार्च में जब खुदरा महंगाई 4.9 फीसद दर्ज हुई तो कुछ उत्साह देखा गया था। तब रिजर्व बैंक ने दावा किया था कि वह जल्दी ही महंगाई पर काबू पा लेगा। मगर अब मौसम का रुख देखते हुए उसे लगने लगा है कि यह काम आसान नहीं होगा। अभी जब गेहूं की फसल कट कर खलिहान में पहुंची है, तो देश के अनेक इलाकों में मूसलाधार बारिश ने उसे भिगो दिया। बहुत सारा अनाज गोदाम में पहुंचने से पहले ही भीग गया। इस तरह बहुत सारा अनाज सड़ कर बर्बाद हो जाएगा। यह अब जैसे हर वर्ष का सिलसिला हो गया है। बेमौसम बारिश हजारों टन अनाज बर्बाद कर डालती है। खुदरा महंगाई में सबसे अधिक चिंता खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों को लेकर है। रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाले अनाज और सब्जियों की कीमतें सामान्य आयवर्ग की पहुंच से दूर होती जा रही हैं। इसकी एक वजह ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी भी है, जिससे ढुलाई पर खर्च बढ़ गया है। अभी जिस तरह की वैश्विक स्थितियां हैं उसमें आपूर्ति शृंखला गड़बड़ होने से कच्चे तेल की कीमतें अनिश्चित बनी हुई हैं। इससे भी रिजर्व बैंक की महंगाई को लेकर चिंता बनी हुई है। पहले रूस-यूक्रेन संघर्ष के चलते दुनिया भर में मुश्किलें पैदा हुई थीं, अब इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष में ईरान के कूद पड़ने और उस पर अमेरिका की सख्त व्यापारिक पाबंदियों से संकट और गहरा हो गया है। भारत चूंकि कच्चे तेल के लिए दूसरे देशों पर निर्भर है, ऐसी स्थिति में उसे तेल की कीमतें नीचे ला पाना कठिन होगा। मगर मौसम की मार से पार पाने का कोई रास्ता किसी के पास नजर नहीं आता। सर्दी, गर्मी, बरसात की अवधि असंतुलित हो गई है। एक ही वक्त में कहीं तेज बारिश और बाढ़ की वजह से फसलें चौपट हो जाती हैं, तो कहीं सूखे की वजह से। सर्दी की अवधि सिकुड़ने के चलते खासकर गेहूं की फसल पर बुरा असर पड़ रहा है। गर्मी का मौसम जल्दी शुरू हो जाने से गेहूं का उत्पादन कम हो रहा है। हमारे कृषि क्षेत्र का बड़ा हिस्सा आज भी मानसून पर निर्भर है। बहुत सारे इलाकों में सिंचाई के संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। जिस वर्ष उन इलाकों में बारिश कम होती है या नहीं होती, उस वर्ष वहां उत्पादन खासा नीचे चला जाता है। अभी तक का आकलन है कि मौसम का मिजाज गड़बड़ होने से सकल घरेलू उत्पाद में करीब डेढ़ फीसद तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। जैसी कि जलवायु परिवर्तन की वजह से विभिन्न क्षेत्रों पर बुरा असर पड़ने की आशंकाएं जताई जा रही हैं, कृषि क्षेत्र उनमें सबसे अधिक प्रभावित होगा। ऐसे में महंगाई पर काबू पाना रिजर्व बैंक के लिए आसान नहीं होगा। बेरोजगारी बढ़ने और प्रतिव्यक्ति आय कम होने से महंगाई की मार ज्यादा गहरी पड़ रही है। इससे निपटने के लिए रिजर्व बैंक को वैकल्पिक व्यवस्था बनानी पड़ेगी।

उसैन बोल्ट आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप के ब्रांड एम्बेसडर बने, कहा-अमेरिका में क्रिकेट का आना बड़ी बात

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने ओलिंपिक लिजेंड उसैन बोल्ट को आगामी आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए ब्रांड एम्बेसडर घोषित किया है। टी-20 वर्ल्ड जो 1-29 जून 2024 तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। 11 बार के वर्ल्ड चैंपियन बोल्ट वेस्टइंडिज के जमैका से हैं। उन्होंने 2017 में लंदन वर्ल्ड चैम्पियनशिप के बाद संन्यास ले लिया था। उन्होंने अपने आखिरी टूर्नामेंट में सिल्वर मेडल जीता था।

बोल्ट ने कहा, मैं आगामी टी-20 वर्ल्ड कप का ब्रांड एम्बेसडर बनकर रोमांचित हूं। इस खेल ने हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखा है, और मैं वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज मैचों में भाग लेने और वर्ल्ड लेवल पर क्रिकेट के डेवलेपमेंट में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं। हालांकि मैं निश्चित रूप से वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज का समर्थन करूंगा, लेकिन इस गेम को अमेरिका में लाना क्रिकेट के लिए बड़ी बात है। यह दुनिया का सबसे बड़ा स्पोर्ट मार्केट है और टी-20 वर्ल्ड कप के लिए हम जो करेंगे, वह 2028 में ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने की दिशा में एक बड़ा मौका है।

बोल्ट के नाम 100 मीटर रेस में वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज

बोल्ट ने 100 मीटर रेस 9.58 सेकंड और 200 मीटर रेस 19.19 सेकंड में पूरी की थी। यह वर्ल्ड रिकॉर्ड है। बोल्ट ने 3 ओलिंपिक में 8 गोल्ड जीते थे। इनमें से 2008 बीजिंग ओलिंपिक में 2, जबकि 2012 लंदन ओलिंपिक और 2016 रियो ओलिंपिक में 3-3 गोल्ड जीते थे।जमैका में जन्मे बोल्ट बोल्ट ने अपना बचपन भाई के साथ गली में क्रिकेट और फुटबॉल खेलकर बिताया। 12 साल की उम्र तक उन्होंने यह तो सोच लिया था कि खेल में ही करियर बनाना है, लेकिन किस खेल में बनाना है, यह तय नहीं कर पा रहे थे। एक दिन बोल्ट के क्रिकेट कोच ने पिच पर उनके दौड़ने की स्पीड देखी और सलाह दी कि उन्हें स्प्रिंटिंग में कोशिश करनी चाहिए। बोल्ट ने अपने कोच की सलाह मानी और दौड़ की ट्रेनिंग लेने लगे। पहली बार लगभग पंद्रह साल की उम्र में कैरेबियन रीजनल प्रतियोगिता में जमैका के लिए खेलते हुए 2001 में, 400 मीटर और 200 मीटर दौड़ में उन्होंने सिल्वर मेडल जीता।

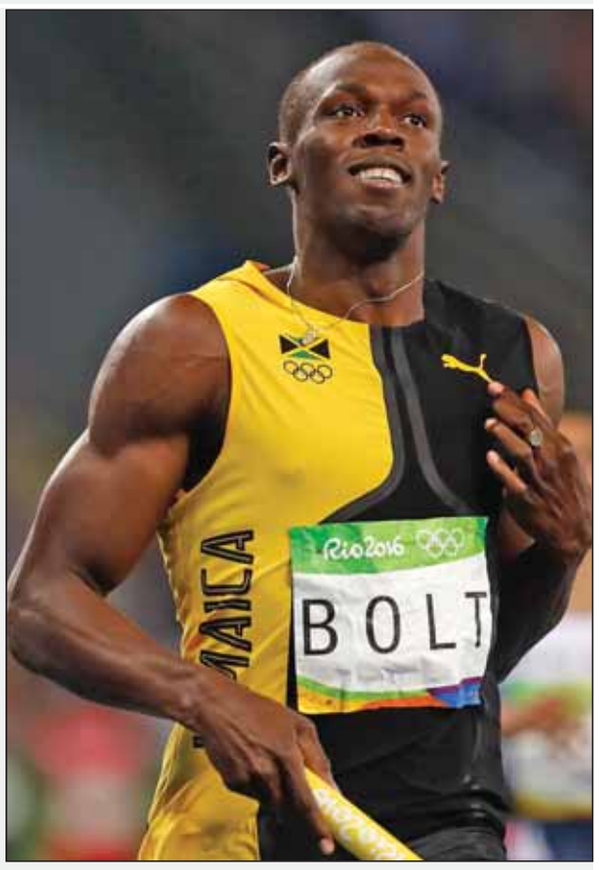

एशियन अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत को चार मेडल दीपांशु ने जीता गोल्ड; रोहन, प्रियांशु और रितिक राठी ने जीता सिल्वर

नई दिल्ली। दुबई में बुधवार से शुरू हुए अंडर-20 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय एथलीटों ने पहले दिन एक गोल्ड सहित कुल चार मेडल जीते। जेवलिन में गोल्ड और सिल्वर भारतीय एथलीटों ने झटके, वहीं 1500 मीटर और डिस्कस थ्रो में भी भारत को सिल्वर मेडल मिले। एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 24 से 27 अप्रैल तक है। भारत से 31 पुरुषों सहित 60 सदस्यीय टीम इस चैंपियनशिप में भाग ले रहे हैं। यह चैंपियनशिप पेरू के लीमा में 27-31 अगस्त को होने वाली वर्ल्ड अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप का क्वालिफाइंग भी है।

बुधवार को पहले दिन दीपांशु ने 70.29 मीटर जेवलिन थ्रो कर भारत को पहला गोल्ड दिलाया। वहीं इस इवेंट 70.23 के साथ यूपी के रोहन यादव दूसरे स्थान पर रहे। यूपी के ही प्रियांशु ने पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ में 3:50.85 सेकेंड के साथ सिल्वर जीता। जबकि कतर के एतौलगाजी ने गोल्ड जीता।

डिस्कस में रितिक राठी ने 52.23 मीटर का थ्रो कर सिल्वर जीता

वहीं डिस्कस थ्रोअर रितिक राठी ने सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने पहला थ्रो 49.97 मीटर फेंका। दूसरे प्रयास में उन्हें कोई अंक नहीं मिला। वहीं उन्होंने तीसरे चांस में 52.23 मीटर फेंक कर मेडल की दावेदारी प्रस्तुत किया। चौथे प्रयास में फिर से उन्हें कोई अंक नहीं मिला, जबकि पांचवां चांस में 50.35 मीटर था और उनका अंतिम और छठा प्रयास 53.01 मीटर था। कतर के जिब्राइन एडौम अहमत को गोल्ड मिला। उन्होंने 54.80 मीटर का थ्रो फेंका था। सऊदी अरब के हसन मुबारक अलहसाई ने 50.41 मीटर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

लक्षिता, तन्वी और विनोद सैंडलिया 800 मीटर फाइनल में भिड़ेंगे

वहीं बुधवार को 800 मीटर के हीट इवेंट में महिला एथलीट लक्षिता और तन्वी के साथ के साथ पुरुष एथजलीट विरोद सैंडिलया फाइनल में पहुंच गए हैं। बुधवार को 800 मीटर हीट में लक्षिता 2:09.39 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि तन्वी मलिक 2:12.82 के समय के साथ अपनी हीट में चौथे स्थान पर रहीं।

अनुष्का और संगीता, अमन चौधरी 400 मीटर में मेडल की होड़ में शामिल

400 मीटर दौड़ में अनुष्का दत्तात्रेय कुंभार और एसएआई संगीता डोडला फाइनल में पहुंच कर मेडल की उम्मीद को बरकरार रखा है। अनुष्का दत्तात्रेय कुंभार 400 मीटर हीट में पहले स्थान पर रहीं। उन्होंने 55.75 सेकेंड का समय निकाला। संगीता डोडला ने 56.21 सेकेंड का समय लेकर अपनी हीट में दूसरा स्थान हासिल किया और पोडियम की दौड़ में बनी हुई हैं।

पाकिस्तानी क्रिकेटर बिस्माह मारूफ ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया, भारत के खिलाफ किया था डेब्यू

नई दिल्ली। पाकिस्तान की पूर्व कप्तान बिस्माह मारूफ इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। हालांकि, वे लीग क्रिकेट खेलती रहेंगी। पाक ऑलराउंडर ने गुरुवार, 25 अप्रैल को पोस्ट कर इसकी जानकारी दी।

मारूफ का इंटरनेशनल क्रिकेट करियर 17 साल का रहा। उन्होंने 2006 (विमेंस एशिया कप) में भारत के खिलाफ जयपुर में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वहीं आखिरी मुकाबला इसी महीने 23 अप्रैल को वेस्टइंडीज विमेंस के खिलाफ खेला।

बिस्माह मारूफ का इंटरनेशनल करियर

बिस्माह ने अपने इंटरनेशनल करियर में कुल 136 वनडे और 140 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। वनडे में उन्होंने 29.55 की एवरेज से 3369 रन बनाए हैं। इसमें उन्होंने 21 अर्धशतक लगाए हैं। वहीं बॉलिंग उन्होंने वनडे में 4.00 की इकोनॉमी रेट से 44 विकेट लिए है। इसके अलावा टी-20 इंटरनेशनल में 27.55 की औसत से 2658 रन बनाए हैं। इसमें उन्होंने 12 हाफ सेंचुरी लगाए है। वहीं गेंदबाजी में उन्होंने 36 विकेट झटके हैं।

34 वनडे और 62 टी-20 मैचों में कप्तानी की

बिस्माह ने 34 वनडे में कप्तानी किया। इसमें 16 में जित मिली। वहीं बतौर कप्तान 62 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेलीं, जिसमें 27 में जीत मिली।

गुरुवार को पीसीबी की एक रिलीज में उनके हवाले से कहा गया, मैंने उस खेल से संन्यास लेने का फैसला किया है जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। यह जर्नी चुनौतियों, जीत और यादों से भरी है। मैं अपने परिवार धन्यवाद देना चाहती हूं, जिन्होंने शुरुआत से लेकर अब तक मेरी क्रिकेट जर्मी में मेरा सपोर्ट किया है।

मैं मुझ पर विश्वास करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। पीसीबी का समर्थन अमूल्य रहा। अंत में मैं अपने साथी खिलाड़ियों को धन्यवाद देना चाहती हूं, जो मेरे लिए परिवार की तरह बन गए हैं। मैदान के अंदर और बाहर हमने जो अच्छे पल साझा किए है, उसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगी।

डोमेस्टिक प्लेयर्स की सैलेरी बढ़ाने पर विचार कर रहा बीसीसीआई, एक करोड़ रुपए तक कमा सकते हैं खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड घरेलू खिलाड़ियों के लिए सैलेरी बढ़ाने पर विचार कर रहा हैं। क्रिकेट वेबसाइट के मुताबिक, इसके लिए अजित अगरकर की सिलेक्शन कमेटी को इसे को लागू करने के बारे में सुझाव देने का काम सौंपा गया है। हालांकि, बढ़ी हुई मैच फीस की घोषणा की संभावना नहीं है, लेकिन नेशनल सिलेक्शन कमेटी ने प्रस्ताव पर चर्चा की है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आईपीएल में हिस्सा नहीं लेने वाले घरेलू खिलाड़ी वंचित महसूस न करें। अलग-अलग योजनाओं पर विचार चल रहा है लेकिन बीसीसीआई इस बात पर

एकमत है कि घरेलू क्रिकेटरों की फीस कम से कम दोगुनी होनी चाहिए। एक सोच यह भी है कि अगर घरेलू खिलाड़ी ने 10 रणजी ट्रॉफी मैच खेले हैं तो उन्हें सालाना 75 लाख रुपए से 1 करोड़ रुपए के बीच कमाई करने की स्थिति में होना चाहिए।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने अपने रणजी ट्रॉफी प्लेयर्स की फीस बढ़ाने का फैसला ले चुकी हैं। प्लेयर्स की सैलरी अगले सीजन से दोगुनी बढ़ जाएगी। अनुभवी खिलाड़ियों को 2024-25 के सीजन से एक फर्स्ट क्लास मैच के लिए 4.80 लाख रुपए मिलेंगे।

वहीं बाकी बोर्ड के प्लेयर्स को एक मैच के 2.40 लाख रुपए मिलते हैं।

पिछले दिनों बीसीसीआई ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल खिलाड़ियों को लेकर वॉर्निंग दी थी। बोर्ड ने कहा था कि जो खिलाड़ी फिट हैं और नेशनल टीम का हिस्सा नहीं हैं तो उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना ही होगा। इसके बावजूद ईशान किशन, क्रुणाल पंड्या और दीपक चाहर जैसे खिलाड़ियों ने अपने स्टेट के लिए रणजी ट्रॉफी मैच नहीं खेला। वे आईपीएल की तैयारियों में जुट गए। ऐसे में डोमेस्टिक क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए बीसीसीआई नई योजनाएं ला रही हैं।

भारत के सर्विस सेक्टर की जबरदस्त रफ्तार वर्ष 2023 में 11.4 फीसदी की हुई ग्रोथ

नई दिल्ली। देश के सर्विस सेक्टर में तेजी देखने को मिली है। सर्विस सेक्टर की ग्रोथ को लेकर UNCTAD ने रिपोर्ट जारी किया है। इस रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद 2023 में भारत का सेवा निर्यात 11.4 प्रतिशत बढ़कर 345 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। इस सेक्टर में चीन का शिपमेंट 10.1 प्रतिशत घटकर 381 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

भारत की सर्विस एक्सपोर्ट की तेजी में ट्रैवल, ट्रांसपोर्ट, मेडिकल और हॉसपिटेलिटी ने योगदान दिया है।

UNCTAD के एक त्रैमासिक बुलेटिन में कहा गया है कि मौजूदा डॉलर मूल्य के संदर्भ में 8.9 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ, विश्व सेवा निर्यात 2023 में 7.9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गया।

वहीं, विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में प्रमुख निर्यातकों में भारत, चीन, सिंगापुर, तुर्किये, थाईलैंड, मैक्सिको और सऊदी अरब शामिल हैं। हालाँकि, भारत का सेवा

आयात पिछले साल 0.4 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 248 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया।

UNCTAD रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में सेवाओं के निर्यात में साल-दर-साल वृद्धि का मुख्य चालक अंतरराष्ट्रीय यात्रा रिसिप्ट में पर्याप्त वृद्धि थी। COVID -19 रिकवरी के बाद, एशिया में यात्रा रिसिप्ट में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

भारत के सर्विस एक्सपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए एक उद्योग विशेषज्ञ ने कहा किआईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं और यात्रा का निर्यात मजबूत हो रहा है। इंजीनियरिंग, वास्तुकला, कानूनी और लेखा सेवाएं और अनुसंधान और प्रबंधन परामर्श सेवाएं जैसी व्यावसायिक सेवाएं सरकारी पहलों द्वारा प्रस्तुत अवसरों का लाभ उठाने से लाभान्वित होती हैं।

इसके आगे विशेषज्ञ ने कहा कि भारतीय निर्यातकों द्वारा निर्यात स्थलों के विविधीकरण से पारंपरिक बाजारों पर निर्भरता कम करने और क्षेत्र के लिए नए अवसर खोलने में मदद मिल सकती है।भारत का सेवा निर्यात ऐतिहासिक रूप से उत्तरी अमेरिका और यूरोप में केंद्रित रहा है, लेकिन एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे उभरते बाजारों में भी वृद्धि की महत्वपूर्ण संभावनाएं हैं।

सेरेलेक के सैंपल कलेक्ट कर रहा फूड रेगुलेटर

नई दिल्ली। नेस्ले के बेबी फूड्स प्रोड्क्ट्स में एक्स्ट्रा शुगर मिलने की बात सामने आने के बाद सरकार ने इसकी जांच शुरू कर दी है। खाद्य सुरक्षा नियामक FSSAI ने गुरुवार को कहा कि वह नेस्ले के सेरेलेक बेबी फूड के सैंपल कलेक्ट कर रही है। FSSAI के CEO कमला वर्धन राव ने बताया कि इस प्रक्रिया को पूरा करने में 15-20 दिन लगेंगे।

दरअसल कुछ दिन पहले आई स्विट्जरलैंड की पब्लिक आई और इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि नेस्ले भारत सहित एशिया और अफ्रीका के देशों में बिकने वाले बच्चों के दूध और सेरेलेक जैसे फूड प्रोडक्ट्स में अतिरिक्त शक्कर और शहद मिलाती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में बेबी फूड्स में एक्स्ट्रा शुगर की मात्रा को

लेकर कोई अपर लिमिट नहीं है। इसे देखने वाली संस्था सिर्फ प्रोटीन, फैट और कार्बोहाइड्रेट जैसे मैक्रोन्यूट्रिएंट्स और विटामिन सी, डी, आयरन और जिंक जैसे माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की जरूरतें बताती है।

भारतीय नियमों के मुताबिक, अनाज वाले बेबी फूड्स में कॉर्न सिरप और माल्ट का इस्तेमाल किया जा सकता है। कार्बोहाइड्रेट सोर्स के तौर पर सुक्रोज और फरुक्टोज का इस्तेमाल होता है, बशर्ते इनकी मात्रा कार्बोहाइड्रेट के 20त्न से कम हो।

इसी तरह न्यू बॉर्न बेबी के लिए बेचे जाने वाले पाउडर मिल्क नीडो में प्रति बोतल औसतन 2 ग्राम शुगर मिला। दूसरी ओर, नेस्ले के अपने देश स्विट्जरलैंड या जर्मनी, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे यूरोपीय देशों में बिकने वाले इन्हीं उत्पादों में शुगर नहीं थी।

स्विगी ने अपने ईजीएम में आईपीओ को लेकर महत्वपूर्ण घोषणा की

नई दिल्ली। फूड डिलिवरी और क्विक कॉमर्स ऐप स्विगी ने अपने ईजीएम में आईपीओ को लेकर महत्वपूर्ण घोषणा की। कंपनी ने बताया कि उसके आईपीओ को शेयरहोल्डर्स से मंजूरी मिल गई है।

स्विगी अपने आईपीओ के जरिये 1.2 अरब डॉलर जुटाने की योजना बना रहा है। कंपनी ने फाइलिंग में बताया कि वह 45 करोड़ डॉलर (करीब 3,750 करोड़ रुपये) और ऑफर-फॉर-सेल में 80 करोड़ डॉलर (लगभग 6,664 करोड़ रुपये) के स्टॉक जारी करेगा।

23 अप्रैल को स्विगी की असाधारण आम बैठक (ईजीएम) हुई। स्विगी ने इसको लेकर कोई तुरंत

टिप्पणी नहीं की। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म के प्रमुख निवेशकों में की स्विगी में लगभग 32 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

अग्रणी मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन के अनुसार, सॉफ्टबैंक के पास लगभग 8 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि वीसी फर्म एक्सेल की 6.2 प्रतिशत और एलिवेशन कैपिटल की 4.4 प्रतिशत हिस्सेदारी है।पिछले महीने यूएस-आधारित बैरन कैपिटल ने स्विगी आईपीओ का मूल्यांकन बढ़ाकर 12.16 बिलियन डॉलर कर दिया, जो 10.7 बिलियन डॉलर के पोस्ट-मनी वैल्यूएशन से अधिक है, जिस पर कंपनी ने 2022 की शुरुआत में फंडिंग हासिल की थी। इस साल की शुरुआत में अमेरिका स्थित निवेश कंपनी इनवेस्को ने स्विगी का मूल्यांकन लगभग 8.3 बिलियन डॉलर तक बढ़ा दिया था। 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष में ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म का नेट लॉस 4,179 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

पेमेंट कंपनी पेयू को नए ग्राहक जोड़ने की मंजूरी मिली, रिजर्व बैंक ने जनवरी 2023 में लगाई थी रोक

नई दिल्ली। लगभग 15 महीने के इंतजार के बाद, भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रोसस बैक्ड फिनटेक फर्म PayU को पेमेंट एग्रिगेटर के रूप में काम करने और नए मर्चेंट्स को फिर से जोड़ने के लिए इन प्रिंसिपल मंजूरी दे दी है। इन प्रिंसिपल मंजूरी फाइनल लाइसेंस नहीं होता, लेकिन कंपनियां इसके जरिए 6 से 12 महीने तक काम कर सकती हैं।

जनवरी 2023 में, बैंकिंग रेगुलेटर ने कॉम्प्लेक्स कॉर्पोरेट स्ट्रक्चर के कारण पेमेंट एग्रिगेटर के रूप में काम करने के लिए फिनटेक फर्म के आवेदन को वापस कर दिया था। उसे इसके लिए फिर से आवेदन करने का निर्देश दिया था। इस कदम के बाद, PayU को अपने ऑनलाइन एग्रिगेशन बिजनेस के लिए नए मर्चेंट को जोड़ना बंद करना पड़ा था।

इसी तरह का प्रतिबंध पेटीएम,

रेजरपे और कैशफ्री पर लगाया गया था, जिनमें से रेजरपे और कैशफ्री को पिछले साल दिसंबर में मंजूरी मिल गई थी। वहीं मनी कंट्रोल ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि एक अन्य फिनटेक कंपनी क्रेड को भी पेमेंट एग्रिगेटर के तौर पर काम करने के लिए आरबीआई की मंजूरी मिली है।

पेमेंट एग्रिगेटर एक थर्ड पार्टी सर्विस प्रोवाइडर है, जो ग्राहकों को ऑनलाइन पेमेंट करने और मर्चेंट्स को पेमेंट लेने की सुविधा देता है। पेमेंट एग्रिगेटर डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, कार्डलेस EMI, UPI, बैंक ट्रांसफर और ई-वॉलेट जैसे पेमेंट मोड से पेमेंट की सुविधा देता है।

वित्त वर्ष 2022-23 में पेयू इंडिया ने 399 मिलियन डॉलर (करीब 3,323 करोड़) की कमाई की थी। वित्त वर्ष 2021-22 के मुकाबले यह 31त्न ज्यादा था। वहीं, वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही (अप्रैल23-सितंबर23) में कंपनी की कोर पेमेंट बिजनेस से आय 15 प्रतिशत बढ़कर 211 मिलियन डॉलर (करीब 1,757 करोड़) रही थी।

मार्च 2024 में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई के जरिए ट्रांजैक्शन का नया रिकॉर्ड बना है। इस दौरान 1,344 करोड़ ट्रांजैक्शन के जरिए 19.78 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ। पिछले महीने यानी फरवरी 2024 में यूपीआई के जरिए 1,201 करोड़ लेनदेन हुए, जिसके जरिए 18.28 लाख करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए।

मिल-बांट कर बढ़ेगा प्यार

अगर तुम्हारे पास कोई खिलौना ना हो और तुम्हारा दोस्त उसे खेलने के लिए तुम्हें दे दे तो कितनी खुशी होती है ना! बस यही होती है शेयरिंग। जो शेयरिंग करता है, वह सबका फेवरेट बन जाता है। तुम अपनी किताब-कॉपी, खिलौने, बातें कुछ भी शेयर कर सकते हो।

कल्पना करो कि तुम ड्रॉइंग की क्लास में हो...मैम ने सब बच्चों को एक सीनरी ड्रॉ करने को कहा है। ड्राइंग कॉपी और कलर्स के लिए तुम भी अपने बैग में हाथ डालते हो...पर यह क्या! सारे कलर्स तो तुम घर पर ही भूल आए हो। अब क्या करोगे? बिना रंगों की सीनरी कितनी अधूरी लगेगी! मैम भी डांटेंगी। अब कलर्स किससे मांगोगे! तभी तुम्हारे बगल में बैठने वाली श्वेता सब समझ जाती है और कहती है, तुम मेरे कलर्स का इस्तेमाल कर लो। यह सुन तुम कितने खुश हो जाओगे! आखिर तुम्हारी परेशानी हल जो हो गई।

अब तुम उसे अपनी बेस्ट फ्रेंड बनाना चाहोगे। पर क्यों? इसलिए कि उसने अपनी एक चीज तुमसे शेयर करके तुम्हारी मदद की। बदले में तुम भी चाहोगे कि कभी उसकी मदद करो। इसी तरह जब हम अपनी कोई चीज किसी से शेयर करते हैं तो उसे अच्छा लगता है। वह हमें अच्छा मानता है। तुम अपनी पेन, पेंसिल, रबड़, खिलौने, किताब, कॉपी, पानी, चॉकलेट, फ्रूट्स आदि अपने दोस्तों से शेयर कर सकते हो।

क्या कर सकते हो शेयर

भाई-बहनों के साथ अपना रूम

एक ही रूम में जब हम अपने छोटे या बड़े भाई-बहन के साथ रहते हैं तो कितना मजा आता है न! अपने रूम में तुम सबके साथ मिल कर कोई गेम खेल सकते हो... ऑसवर्डपजल्स सुलझा सकते हो... गाने सुन सकते हो और हां...डांस भी तो कर सकते हो। साथ ही भाई-बहन को भी बता सकते हो कि तुमने दिन भर क्या-क्या किया, किससे मिले। ऐसा करने से तुम कभी खुद को अकेला महसूस नहीं करोगे। तुम्हें कभी हॉस्टल में भी रहना पड़े तो दिक्कत नहीं आएगी।

सामान

स्कूल में अपने दोस्त या क्लासमेट के साथ लंच शेयर कर सकते हो। अगर कोई किताब तुम्हें रोचक लगती है तो उसे अपने दोस्तों को भी पढ़ाओ। इससे तुम सबका ज्ञान बढ़ेगा।

खिलौने

तुम बैट-बॉल, बैंडमिंटन या टेडी-टिवटी को लेकर खेलने के लिए पार्क तो जाते होगे। तुमने वहां देखा होगा कि कई बगों के पास खेलने के लिए खिलौने नहीं होते। तुम उनके पास जाओ। उन्हें खेलने के लिए अपने खिलौने दो। वे खुश हो जाएंगे। उन्हें खुश देख कर तुम्हें भी खुशी होगी।

मन की बातें

जब तुम्हें कोई बात अच्छी या बुरी लगती है तो वह बात मन में न रखो, तुरंत किसी को बता दो। अगर किसी वजह से तुम परेशान हो तो संकोच मत करो। अपने पापा-मम्मी, भैया-दीदी या ब्रेस्ट फ्रेंड को बताओ। इससे तुम्हारा मन हल्का हो जाएगा और वह समस्या भी झट से सुलझ जाएगी।

आइडियाज

होमवर्क करते हुए, स्कूल में पढ़ते हुए...खेलते समय, चलते वक्त...दिन भर में कई बार हमारे दिमाग में कई तरह के आइडिया आते हैं। ये आइडिया रूम को नए तरीके से सजाने से लेकर पेंटिंग या क्राफ्ट्स में नया क्या बनाएं...कुछ भी हो सकते हैं। ये आइडिया पापा-मम्मी या टीचर से जरूर शेयर करना। क्या पता...तुम कुछ ऐसा कर लो, जिससे सब तुम्हारी खूब तारीफ करें।

सूचना

स्कूल में परीक्षा से संबंधित या टीवी पर कभी कुछ नई और रोचक बात पता चलती है तो सबको बताओ।

चुटकुले किस्से कहानियां

तुम कई सारे गेम खेलते होगे, लेकिन कभी स्टोरी टेलिंग का गेम खेला है तुमने! इस गेम में कई सारे बगो एक-दूसरे को कहानी, चुटकुले या कोई मजेदार किस्सा सुनाते हैं, जैसे किसी ने कभी कोई अच्छा काम किया हो, किसी के काम की दूसरों ने तारीफ की हो, किसी ने कोई मेडल या पुरस्कार जीता हो या कोई दिलचस्प बात, जिससे सबको हंसी आई हो। तुम भी अपने दोस्तों के साथ यह गेम खेलो। मजा आएगा।

शेयरिंग के फायदे

तुम कभी अकेला महसूस नहीं करते। दोस्तों के बारे में कुछ नई और मजेदार बातें पता चलती हैं।

मन हल्का होता है। धैर्य रखना सीखते हो।

एक-दूसरे की मदद करने की भावना का विकास होता है।

विश्वास का रिश्ता कायम होता है।

कुछ और बातें...

कई बार बर्थडे गिफ्ट में मिली चीजें हम शेयर नहीं करते, पर गिफ्ट में अगर कोई शेयर करने लायक चीज हो तो जरूर ऐसा करो, जैसे चॉकलेट, केक या दूसरी खाने की चीजें मिली हों तो सबके साथ मिल कर खाओ। देखना सब खूब खाएंगे। ऐसा लगेगा जैसे तुम्हारा बर्थडे फिर से मनाया जा रहा है।

ये मत करो शेयर

ऐसी कई सारी चीजें होती हैं, जिन्हें पर्सनल हाइजीन का माना जाता है और शेयर करना ठीक नहीं समझा जाता। डॉक्टर्स भी तुम्हें इन्हें शेयर करने के लिए मना ही करते हैं, इसलिए जब तुम शेयरिंग का महत्व समझ रहे हो तो ये भी जान लेना आवश्यक है कि ये कौन-सी चीजें हो सकती हैं। इनमें हम तुम्हारे नहाने के साबुन, तौलिया, कंघी को शामिल कर सकते हैं। इन्हें शेयर करने से तुम स्किन इन्फेक्शन की चपेट में आ सकते हो और तुम्हें कई बीमारियां भी हो सकती हैं। इसके अलावा तुम्हें टूथ ब्रश, चम्मच, मोजे आदि भी शेयर करने से बचना चाहिए। स्कूल में वॉटर बॉटल और रुमाल को भी शेयर नहीं करना चाहिए। अगर कभी तुम्हारे किसी दोस्त को इसकी जरूरत हो तो तुम उसे इन्हें शेयर करने के नुकसान के बारे में समझा सकते हो। सिर्फ दोस्त ही क्या, इन चीजों को तुम्हें अपने परिवार से भी साझा नहीं करना चाहिए। तुम्हें खुद भी इन चीजों को अपने दोस्तों से नहीं मांगना चाहिए।

अपनी चीजें हर किसी को पसंद होती हैं, पर जब तुम शेयरिंग करना शुरू करोगे तो देखोगे कि तुम्हें अपनी चीजों को दोस्तों संग बांट कर बहुत खुशी मिलेगी और तुम्हारी ये आदत धीरे-धीरे तुम्हें सभी के बीच लोकप्रिय भी बना देगी।

कोई तुमसे कुछ शेयर करे तो उसे बदले में थैंक यू जरूर कहो। तुम्हारा कोई दोस्त तुमसे कुछ शेयर नहीं कर रहा हो तो बुरा मत मानो, बल्कि उसे भी साथ बैठ कर शेयरिंग का महत्व समझाओ।

गर्मी की बीमारियों से यूं करें खुद का बचाव

सर्दियों की तरह गर्मियां भी मौसमी बीमारियों के साथ आती हैं। गर्मी में होने वाली गर्मी से थकावट, लू लगना, पानी की कमी, फूड पॉयजनिंग आम बीमारियां हैं। अगर हम कुछ सावधानियां बरतें तो इन बीमारियों से बचा जा सकता है।

इंडियन मैडीकल एसोसिएशन (आई.एम.ए.) के महासचिव डॉ के. के. अग्रवाल ने कहा कि हीट एग्जाशन गर्मी की एक साधारण बीमारी है, जिसके दौरान शरीर का तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से 40 डिग्री सेल्सियस तक होता है। चक्कर आना, अत्यधिक प्यास लगना, कमजोरी, सिर दर्द और बेचैनी इसके मुख्य लक्षण हैं। इसका इलाज तुरंत ठंडक देना और पानी पीकर पानी की कमी दूर करना है। अगर हीट एग्जॉशन का इलाज तुरंत न किया जाए तो हीट-स्ट्रोक हो सकता है, जो कि जानलेवा भी साबित हो सकता है।

हीट-स्ट्रोक में शरीर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाता है, जो कि अंदरुनी अंगों की कार्यप्रणाली को नष्ट कर सकता है। हीट-स्ट्रोक के मरीजों को शरीर का तापमान बहुत ज्यादा होता है, त्वचा सूखी और गर्म होती है, शरीर में पानी की कमी, कन्फ्यूजन, तेज या कमजोर नब्ज, छोटी-धीमी सांस, बेहोशी तक आ जाने की नौबत आ जाती है।

हीट-स्ट्रोक से बचने के लिए दिन के सबसे ज्यादा गर्मी वाले समय में घर से बाहर मत निकलें। अत्यधिक मात्रा में पानी और जूस पीएं, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो। ढीले-ढाले और हल्के रंग के कपड़े पहने।

फूड पॉयजनिंग गर्मियों में आम तौर पर हो जाती है। गर्मियों में अगर खाना साफ-सुथरे माहौल में न बनाया जाए तो उसके दूषित होने का खतरा बढ़ जाता है। इसके साथ ही पीने का पानी भी दूषित हो सकता है। अत्यधिक तापमान की वजह से खाने में बैक्टीरीया बहुत तेजी से पनपतेहैं, जिससे फूड पॉयजनिंग हो जाती है। सड़क किनारे बिकने वाले खाने-पीने के सामान भी फूड पॉयजनिंग के कारण बन सकते हैं।

फूड पॉयजनिंग से बचने के लिए बाहर जाते वक्त हमेशा अपना पीने का पानी घर से ले के चलें। बाहर खुले में बिक रहे कटे हुए फल खाने से परहेज करें।

गर्मी में शरीर में पानी की कमी से बचने के और शरीर में पानी की मात्रा को पर्याप्त बनाए रखने के लिए अत्यधिक मात्रा में तरल पदार्थ पिएं। खास तौर खेल-कूद की गतिविधियों के दौरान इस बात का ध्यान रखें। प्यास लगने का इंतजार न करें। हमेशा घर में बना हुआ नींबू पानी और ओ.आर.एस. का घोल आस-पास ही रखें। एल्कोहल और कैफीन युक्त पेय पदार्थों का परहेज करें, इनके सेवन से भी शरीर में पानी की कमी होती है।

तेज अल्ट्रा वायलेट किरणों और धूप से बचने के लिए धूप के चश्मे और हैट का प्रयोग करना भी काफी लाभप्रद साबित हो सकता है।

खाना खजाना

यम्मी चीज टोस्ट

सामग्री- चीज घिसा हुआ- 12 कप ब्राउन ब्रेड प्लाइस- 10-12 दूध- 12 कप ब्राउन ब्रेड प्लाइस- 6 राई पावडर- चम्मच जैतून तेल- जरुरत के अनुसार काली मिर्च पावडर- 12 चम्मच बटर- 1 चम्मच टमाटर- 2 मध्यम हरी शिमला मिर्च- 2 मध्यम हरी मिर्च- 1 बारीक कटी

विधि- ओवन को सबसे पहले 170ओष्ट पर गरम कर लीजिये। एक नॉन पटिक पैन में ट कप दूध गरम कर के उसमें चीज घिस कर पकाइये। ब्रेड प्लाइसक को तिकोने आकार में काटें। उसे बेकिंग ट्रे पर रखें और उस पर थोड़ा सा ऑलिव ऑइल डाल कर उसे ओवन में टोप्ट करें। बाकी की बची ब्रेड प्लाइस को मिक्सी में डाल कर ब्लेंड कर दें जिससे आपके पास प्रेश ब्रेडक्रब्स हो जाएं। मिल्क चीज मिश्रण में राई पावडर, काली मिर्च पावडर और बटर डाल कर मिक्स करें। टमाटर को छोटे टुकड़ों में काटे। जब चीज पिघल जाए जाए तब आंच को बंद कर दें और उसमें ब्रेड क्रब्स डाल कर मिक्स करें। शिमला मिर्च को बडे पीस में काटें। ओवन से ब्रेड निकालें। उस पर शिमला मिर्च और टमाटर के टुकड़ों को उस पर रखें। अब सब्जियों पर चीज सॉस को डालें, ऊपर से कटी हुई हरी मिर्च डाल कर टोप्ट कर दें। जब ब्रेड लाइट गोल्डन ब्राउन हो जाए तब इसे सर्व करें।

कश्मीरी पुलाव

सामग्री- 2 कप - बासमती राइस 3 चम्मच - घी या तेल 1 इंच - दालचीनी 4- लौंग 1- तेज पत्ता 1- बडी इलायची 1 चम्मच - शाहजीरा 1 चम्मच - सौंफ पाउडर 3 12 कप - पानी नमक- प्वादअनुसार 1 चम्मच - घी 20- काजू 12 से 15- बादाम 1 चम्मच- किशमिश 12 कप - हरी मटर 12 कप- कटी हुई अनन्नास 14 कप - अनार का दाना 34 कप - छोटे लाल अंगूर

विधि- चावल को 30 मिनट के लिये पानी में भिगो दें और फिर उसे छान कर किनारे रख दें। एक पैन या कढाई में तेल या घी गरम करें। उसे सभी सूखे मसाले डाल कर 1 मिनट चलाएं। फिर शाहजीरा, भुना सौंफ पाउडर, डाल कर 1 मिनट पकाएं। उसके बाद उसमें भिगोए हुए चावल डाल कर मध्यम आंच पर 5 मिनट भूनें। अब पानी और नमक डाल कर पैन को ढक्कन लगा दें और उसे पकने दे।

अब जब तक कि यह तैयार हो रहा है तब तक आप मटर को या तो माइक्रोवेव में भून लें या फिर पैन में पक जाने तक भूनें। पैन में 1 चम्मच घी डालें, उसमें मटर डाल कर 2 मिनट चलाएं और किनारे रखें। फिर उसी पैन में 1 चम्मच घी डालें और उसमें बादाम, काजू को गोल्डन ब्राउन होने तक भूनिये। फिर उसमें किशमिश डाल कर 30 सेकेंड सेकें और किनारे रख दें। जब चावल तैयार हो जाए तब उसे एक बड़े से कटोरे या प्लेट में निकाल कर उसके साथ ड्राई फ्रूट, मटर और फलों को मिक्स करें। अब आप कशमीरी पुलाव को सर्व कर सकते हैं।

रागी इडली

सामग्री- इडली बनाने के लिये चावल- 1 कप रागी आटा- 2 कप साबुत छिली उरद दाल - 1 कप नमक- स्वादअनुसार

विधि- सबसे पहले उरद दाल को 4 घंटे के लिये भिगो कर रख दें। चावल को भी अलग पानी में 5 घंटे के लिये भिगो कर रखें। फिर उरद दाल को थोड़ा सा पानी मिला कर बारीक पीस लें। चावल को भी थोड़ा सा पानी डाल कर बारीक पीस कर किनारे रख दें। अब पिसे हुए चावल में पिसी उरद दाल, रागी आटा और नमक मिक्स करें।

जब यह अच्छी तरह से मिक्स हो जाए तब समझिये इडली का मिश्रण तैयार है। मिश्रण ज्यादा पतला ना रखें। अब इस मिश्रण को 7 से 8 घंटे के लिये एक बरतन में खमीर उठने के लिये रख दें। अब इडली बनाने वाला सांचा लें और उसमें इडली का घोल भर कर इडली बनाएं।

इडली बनने में 15 मिनट लगेंगे। जब यह तैयार हो जाए तब इसे निकाल कर सांभर और नारियल चटनी के साथ सर्व करें।

भारतीय महिलाओं की खूबसूरती के ये हैं 10 राज

इस बात पर शायद ही किसी को संदेह हो कि भारतीय महिलाएं सबसे ज्यादा खूबसूरत होती हैं। दुनिया के हर कोने में महिलाएं सुंदर और स्वस्थ लगना चाहती है। क्या आप नहीं सुंदर दिखना नहीं चाहती और यह जानने के लिए उत्सुक नहीं है कि ऐसी क्या खासयित है जो भारतीय महिलाओं को सुंदर और आकर्षक बनाती है।

आपको बताएं भारतीय महिलाओं की खूबसूरती का राज:-

1. आंवले का तेल:आंवले को गूसबेरी के नाम से भी जाना जाता है। यह बालों को मजबूत, घना और खूबसूरत बनाता है। साथ ही यह बालों और सिर की खाल से संबंधित कई समस्याओं का निदान भी करता है। अच्छे परिणाम के लिए आप इस तेल को रोज लगा सकती हैं।

2. बेसन:यह भारत की टॉप एक्ट्रेस का पसंदीदा ब्यूटी केयर है। साथ ही इसके स्क्रब का इस्तेमाल बालों से अतिरिक्त तेल निकालने के लिए भी किया जाता है। वहीं दूध और क्रीम में मिलाकर साबुन के तौर पर भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। यह त्वचा को नर्म व मुलायम बनाता हैं। आप बेसन को शहद, दूध या नींबू पानी में मिलाकर फेश पैक भी बना सकती हैं।

3. हल्दी:हल्दी भारत का एक जाना पहचाना मसाला है, जिसका इस्तेमाल सदियों से किया जा रहा है। हल्दी में एंटीसेप्टिक गुण पाया जाता है, जिससे त्वचा की जलन, फुंसी, इंफैक्शन और खुजलाहट का उपचार किया जाता है। इसके अलावा भारतीय लड़कियां हल्दी का इस्तेमाल स्किन टैन को हटाने और स्किन टोन को बेहतर बनाने में करती हैं। यह पिग्मेंटेशन और चेहरे के बाल का बढ़ना भी कम करता है।

4. केसर:केसर की पैदावार कश्मीर घाटी में होती है। वैसे यह काफी महंगा होता है और इसका इस्तेमाल ड्राई स्किन और अन्य स्किन प्राब्लम से निपटने में किया जाता है। साथ ही यह स्किन टोन में चमक लाने के साथ रंग भी निखारता है।

5. गुलाब जल:गुलाब जल स्किन रीलैक्सेंट और टोनर का काम करता है। साथ ही यह डार्क सर्किल को भी हटाता है। इसका इस्तेमाल भारतीय महिलाओं द्वारा कई फेश पैक में चेहरे से आयल और डर्ट को हटाने में किया जाता है।

6. चंदन:भारतीय परंपरा में चंदन का धार्मिक महत्व है। सदियों से इसका इस्तेमाल सौंदर्य प्रसाधन और औषधि के रूप में किया जा रहा है। चंदन पेस्ट और तेल का इस्तेमाल स्किन केयर के लिए भारतीय महिलाएं और पुरुष दोनों ही करते हैं। यह फुंसी, स्पॉट, पिंपल और ब्लैकहेड पर काफी असरदार होता है।

7. शिकाकाई:आयुर्वेद में इसे बालों का फल भी कहा जाता है। बालों के कमजोर जड़ और डैंड्रफ के उपचार में यह काफी कारगर होता है।

8. दही:खूबसूरत दिखने में दही भी काफी असरदार होता है और भारतीय महिलाओं द्वारा इसका इस्तेमाल कई फेस पैक में किया जाता है।

9. लिप केयर:भारतीय महिलाओं के होंठ काफी दिलकश होते हैं। उन्हें किसी खास अवसर पर लिपस्टिक लगाना काफी पसंद होता है।

10. बिंदी:बिंदी के बिना कोई भी भारतीय श्रृंगार पूरा नहीं होता है। यह एक चमकदार लाल रंग का डॉट होता है, जिसे फोरहेड के बीच में लगाया जाता है। यह कई तरह के रंग और आकार में उपलब्ध रहते हैं।

गर्मियों में बालों की चिपचिपाहट से हैं परेशान तो...

जैसे की आपको पता है कि गर्मिया आ चुकी है। पसीने की वजह से चेहरे और बालों में चिपचिपाहट होने लगती है। महिलाएं बालों की समस्या से भी काफी परेशान हो जाती है। अगर बालों में बहुत अधिक पसीना आता है तो इससे सिर में रूसी, बदबू और बाल झड़ने की समस्या भी पैदा हो जाती है। बालों में चिपचिपाहट और बदबू हर पांच मिनट में नहाने के लिये मजबूर करती है लेकिन इस समस्या को दूर करने के कई टिप्स हैं।

1. अपने बालों को गर्मियों में तीन बार धोना चाहिए। इससे बाल फ्रेश और साफ सुधरे रहेंगे।

2. खुशबूदार तेल का प्रयोग सिर पर तेल को कंट्रोल करने का अच्छा तरीका है कि आप सुंगनधित तेल का प्रयोग करें। इससे गर्मियों में आपका सिर ठंडा रहेगा। इससे आपके बाल नरम बनेंगे और चिपचिपाहट दूर होगी।

3. हफ्ते में एक बार हेयर पैक लगाएं। इस पैक में आप संतरा, स्ट्रॉबेरी, या दूध आदि मिक्स करके तैयार करें। इससे आपके बालों में शाइनिंग आएगी और उसमें पसीने की बदबू भी नहीं आएगी।

4. हेयर ड्रायर से दूर रहें अगर आप बालों को स्ट्रेट करने के लिए स्ट्रेटनर या गीले बालों को सुखाने के लिएड्रायर का प्रयोग करती हैं तो उसे बंद कर दें क्योंकि यह सिर को गरम करता है, जिससे पसीना ज्यादा आता है।

अगर आप भी लगाती हैं लाइनर तो हो जाएं सावधान !

अक्सर महिलाएं आंखों को सजाने के लिए काजल और आईलाइनर का इस्तेमाल करती हैं। अगर आप भी इसका इस्तेमाल करती हैं तो जरा इस खबर को पढ़िए और हो जाइए सावधान। एक नए अध्ययन में यह चेतावनी दी गई है कि आंखों की पलकों के अंदर और बाहर लगाया जाने वाला आइलाइनर आंखों क ी

रोशनी पर असर डाल सकता है।अध्ययन में यह बात साबित हुई है कि पैंसिल आइलाइनक लगाते समय इसके कण आंखों में जाते शोध करने वालों ने इसका अध्ययन करने के लिए वीडियो रिकॉर्डिंग का प्रयोग किया. कई तरह से उन्होंने मैकअप किया और फिर तुलना करके देखा कि आइलाइनर के कण कितनी मात्रा में आंखों की अश्रु झिगी पर पहुंचते हैं। अश्रु झिगी आंखों पर एक पतली परत के रूप में रहती है जो आंखों की सुरक्षा करती है। वाटरलू विश्वविद्यालय के विज्ञानी डॉक्टर एलिसन नग ने बताया, हमने अध्ययन में पाया कि मैकअप करने से आंखों में आइलाइनर के कण जाते हैं और जब आइलाइनर को आंख की पलकों की अंदर की तरफ लगाया जाता है तो ये ज्यादा तेजी से आंख के अंदर जाते हैं। इस अध्ययन में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी ने पहले पलकों के बाहर की तरफ चमकते (ग्लिटर) आइलाइनर का प्रयोग किया और बाद में आंख से ज्यादा नजदीक रहने वाली पलकों की अंदरूनी ओर

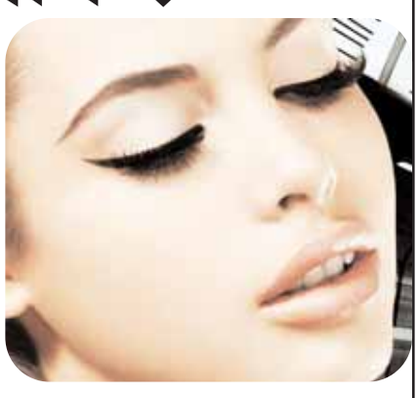

और काजल वाली तरफ भी इसे लगाया। दृष्टि विज्ञानियों ने पाया कि अंदर की ओर आइलाइनर लगाने पर पांच मिनट के भीतर 15 से 30 प्रतिशत ज्यादा कण आंखों की अश्रु झिगी पर पहुंच गए। यह शोध आई एंव कांटैक्ट लैंस साइंस एंड क्लीनिकल प्रैक्टिस जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

गर्मियों में पहने ऐसे कपडे

जैसे की आपको पता है कि गर्मी का मौसम आ गया है। इन दिनों लोग तरल पदार्थ खाना ज्यादा पसंद करते हैं और हल्के-फुल्के कपड़े पहनते हैं। गर्मी के मौसम में खुद को आकर्षक परिधानों के साथ पेश करके पर्सनैलिटी का आकर्षण बढ़ाया जा सकता है। गर्मी के मौसम में एक चौड़े और हवादार टॉप का चुनाव करें, जो गर्मी में आपको काफी आराम देगा। गर्मी में टाइट की बजाए चौड़े और हवादार पैंट पहनें। इससे आपको चलने में भी आसानी होगी। हल्के रंगों का चुनाव करें। बटनदार कमीज जैसे क्लासिक टॉप का इस्तेमाल करना भी बेहतर होगा। वीकेंड में खाना खाने और शाम को आउटिंग पर जाने के लिहाज से मैक्सी (लंबी) पोशाकें काफी चलन में हैं लेकिन लंबी होने की वजह से आप इसमें फंस सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि लंबी स्लिट की मैक्सी वाले पोशाकों का चुनाव करें।

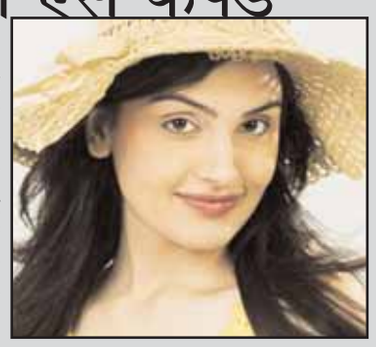

भामाशाह ने विद्यालय में करवाया सरस्वती मंदिर का निर्माण

रींगस। कस्बे के निकटवर्ती गांव जैतुसर की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में भामाशाह द्वारा अपनी धर्मपत्नी की पुण्य स्मृति में विद्यालय प्रांगण में सरस्वती मंदिर का निर्माण करवा कर भव्य आयोजन के साथ मां शारदे की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य रामचंद्र डंडिया ने बताया कि भामाशाह मोहन लाल जांगिड़ द्वारा अपनी धर्मपत्नी स्वर्गीय गीता देवी की पुण्य स्मृति में सरस्वती मंदिर का निर्माण करवाया गया और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा की गई। इससे पहले गांव के मुख्य मार्गों से मां शारदे की शोभायात्रा निकाली गई जिसमें महिला-पुरुषों ने भाग लेकर मां सरस्वती के जयकारे लगाए। प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के उपरांत विद्यालय के बालक-बालिकाओं व क्षेत्र के लोगों ने प्रसादी ग्रहण की। इस दौरान स्वतंत्रता सेनानी कालीदास स्वामी, प्रभु दयाल बल्डवाल, चोथमल जांगिड़, फूलचंद जांगिड़, अर्जुन लाल जांगिड़, महावीर प्रसाद, सुगनचंद जांगिड़ आदि मौजूद थे।

नगर पालिका के कर्मचारी संघ का हुआ गठन, सोहनलाल बाजिया बने अध्यक्ष

रींगस। नगर पालिका में कार्यरत कर्मचारियों ने कर्मचारी संघ का गठन करने के लिए बैठक आयोजित की। जिसकी अध्यक्षता राजस्थान नगर पालिका कर्मचारी फैडरेशन के संयोजक रिछपाल सिंह चौधरी ने की। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से नगर पालिका कर्मचारी सोहनलाल बाजिया को अध्यक्ष बनाया गया जिसके बाद अध्यक्ष सोहनलाल ने कार्यकारिणी का गठन करते हुए अरविंद कुमार को उपाध्यक्ष, शीशराम बोचल्या को सचिव, ममता जाट को कोषाध्यक्ष, कृष्ण कुमार यादव को कार्यालय मंत्री, सत्यनारायण लखेरा को महामंत्री, बाबूलाल साखुनिया को संगठन मंत्री के रुप में नियुक्त किया। रींगस नगर पालिका कर्मचारी संघ की नवगठित कार्यकारिणी का संयोजक रिछपाल सिंह चौधरी ने पालिका के सहायक लेखाधिकारी भागचंद बैरवा से परिचय करवाया और कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर नगर पालिका की बेहतरीन उन्नति के लिए कार्य करने की शुभकामनाएं दी। इस दौरान प्रांतीय प्रतिनिधि रविप्रकाश शर्मा, रामलाल जाट आदि मौजूद थे।

पत्रकार विचार गोष्ठी व सम्मान समारोह 28 को

रींगस। पत्रकारों की रजिस्टर्ड संस्था शेखावाटी पत्रकार संस्थान के तत्वावधान में 28 अप्रैल को आयोजित होने वाले आधुनिक पत्रकारिता पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारियां की जा रही है। संस्थान के अध्यक्ष बीएल सरोज ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा शिरकत करेंगे वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता खंडेला विधायक सुभाष मील करेंगे। सचिव हरीश गुर्जर ने बताया कि बड़े स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में प्रदेश भर से करीब सौ पत्रकारों को आमंत्रित किया गया है वहीं क्षेत्र के भामाशाहों, जनप्रतिनिधियों व सामाजिक संस्थाओं से जुड़े लोगों को भी आमंत्रित किया गया है। कोषाध्यक्ष लोकेश शर्मा ने बताया कि आधुनिक पत्रकारिता पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन 28 अप्रैल रविवार को नेशनल हाईवे 52 पर सरगोठ स्थित कान्हा होटल में प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जाएगा। संस्थान के उपाध्यक्ष राजेंद्र कुमावत ने बताया कि कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों के लिए जलपान सहित सामुहिक भोज की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम में चार चांद लगाने के लिए संरक्षक प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में संस्थान के विधि सलाहकार एडवोकेट हरीश स्वामी, वरिष्ठ सदस्य विद्याधर शर्मा, श्रवण कुमार आदि जुटे हुए हैं।

जेईई में चयनित विद्यार्थियों का किया सम्मान

रींगस। कस्बे की सीसीए शिक्षण संस्थान समूह द्वारा संचालित स्वर्णिम करियर इंस्टीट्यूट के 13 में से 9 विधार्थियों ने एनटीए द्वारा आयोजित जेईई मेन में 12 वीं के साथ एडवांस के लिए क्वालीफाई किया है। जिनमें से 6 विद्यार्थियों ने 90 से अधिक प्रतिशत अंक प्राप्त किए। सभी चयनित विद्यार्थियों का संस्थान में सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें संस्थान निदेशक डॉ अजय सक्सेना, सह निदेशक कविता सक्सेना, कार्डिनेटर रघुवीर सिंह तंवर ने विधार्थियों को साफा बंधवा कर व माला पहनाकर सम्मान किया। साथ ही मिठाई खिलाकर बधाई प्रेषित की। इस अवसर पर संस्थान के प्रदीप सैनी, महेंद्र सामोता, रमेश हरितवाल, मुकेश देवन्दा, पिन्टु कुमावत, भाग चन्द कुमावत, ममता चौधरी, मुकेश मील, अर्जुन राजोरिया, केदार बुल्ला, दिनेश कुमार, बसन्त रोज, सुशील कुमार, सचिन कुमार आदि मौजूद थे।

3 हजार 9 गर्भवती महिलाओं और 9 हजार 14 बच्चों को जीवनरक्षक टीके लगाए

सीकर। चिकित्सा विभाग द्वारा गुरुवार को मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस मनाया गया। आयुष्मान आरोग्य मंदिर वाले संस्थानों पर स्वास्थ्य मेला आयोजित हुआ। स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा चिकित्सा संस्थानों और आंगनबाड़ी केन्द्रों पर गर्भवती महिलाओं व बच्चों के स्वास्थ्य की जांच कर बीमारियों से बचाव के लिए जीवनरक्षक टीके लगाए। वहीं मातृ स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सेवाएं दी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ निर्मल सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा माह के प्रत्येक गुरूवार को एमसीएचएन दिवस पर गर्भवती महिलाओं व धात्री महिलाओं को पोषण व मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की जानकारी दी जाती। चिकित्सा संस्थानों पर गर्भवती महिलाओं की हिमोग्लोबिन, एचआईवी, सिफलिस, ब्लड प्रेशर, हृदय स्पंदन व प्रसव से संबंधित जटिलताओं की जांच की गई। साथ ही गर्भवती महिला के शरीर में कैल्शियम व खून की कमी नहीं आए, इसके लिए आईएफए, कैल्शियम और अन्य आवश्यक दवाइयां दी। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ छोटेलाल ने बताया कि गर्भवती महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का दुगुना ध्यान रखना चाहिए और समय समय पर स्वास्थ्य की जांच तथा टीके लगवाने चाहिए। दिन में कम से कम तीन बार भोजन करना चाहिए और प्रसव सरकारी अस्पताल में ही करवाना चाहिए। उन्होंने बताया कि गुरूवार को बच्चों को पीलिया, टीबी, हैपेटाइटिस बी, गलघोंटू, काली खांसी, निमोनिया, टिटनेस, मेनिनजाइटिस खसरा और रूबले, रोटा, दस्त आदि रोगों से बचाव के लिए टीके लगाए और उनको प्रसवपूर्व देखभाल के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि गुरूवार को जिले के

मोशन एजुकेशन ने फिर लहराया सफलता का परचम

टॉप एक हजार में 44 विद्यार्थी सलेक्शन रेशयो रहा 68.01 प्रतिशत

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटा। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई मेन्स-2024 के परिणाम में मोशन एजुकेशन ने फिर सफलता का परचम लहराया है। मोशन एजुकेशन के फाउंडर और सीईओ नितिन विजय ने बताया कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से जारी जेईई मेन्स के परिणाम में मोशन एजुकेशन के स्टूडेंट्स ने एक बार फिर श्रेष्ठता साबित की है। मोशन के 10 हजार 132 विद्यार्थियों ने जेईई मेन्स एग्जाम दिया था। इसमें से 6 हजार 891 का चयन जेईई एडवांस के लिए हुआ है। इस प्रकार मोशन का सलेक्शन रेशियो 68.01 रहा। दूसरी ओर राष्ट्रीय स्तर पर यह सलेक्शन रशियो केवल 17.68 प्रतिशत रहा है।

जनरल और ओबीसी केटेगिरी के टॉप एक हजार में 44 मोशनाइट्स हैं। इनमें विशारद श्रीवास्तव ने 40वीं और ईशान गुप्ता ने 46वीं रैंक हासिल की। दोनों ने हंड्रेड पर्सेंटाइल अंक हासिल किए। इनके अलावा जयंत कुमार ने 99.998 पर्सेंटाइल अंक प्राप्त कर 77 वीं रैंक हासिल की है।

स्कॉलरशिप की घोषणा

नितिन विजय ने बताया कि जेईई मेन-2024 में 99 परसेंटाइल से अधिक अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को मोशन एजुकेशन में कोचिंग पर 100 प्रतिशत स्कॉलरशिप दी जाएगी। इसके अलावा 97 से 98.99 परसेंटाइल तक 93.99 प्रतिशत स्कॉलरशिप, 95 से 96.99 परसेंटाइल पर 69.96 प्रतिशत, 90 से 94.99 परसेंटाइल पर 63.63 प्रतिशत, 80 से 89.99 परसेंटाइल पर 51.51 प्रतिशत, 70 से 79.99 परसेंटाइल पर 45.45 प्रतिशत, 60 से 69.99 परसेंटाइल पर 36.36 प्रतिशत और 50 से 59.99 परसेंटाइल पर 30.30 प्रतिशत स्कॉलरशिप दी जाएगी।

आतिशबाजी कर मनाया मनाया जश्न

अच्छे परिणाम की खुशी में मोशन के द्रोणा-2 कैम्पस में गुरुवार को सफलता का जश्न मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान में खुशी का माहौल रहा। जॉइंट डायरेक्टर और जेईई डिवीजन के हेड रामरतन द्विवेदी, अकेडमिक हेड निखिल श्रीवास्तव, ऑन लाइन डिवीजन के हेड जीबी सर ने चयनित विद्यार्थियों और टॉपर्स का अभिनंदन किया। वक्ताओं ने कहा कि देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई मेन के परिणाम में मोशन के सितारों ने अपनी और फेकल्टीज की मेहनत के दम पर जोरदार चमक बिखेरी है।

सही दिशा में मेहनत की जाए तो हर सफलता संभव

टॉपर्स ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यदि लक्ष्य के अनुरूप सही दिशा में मेहनत की जाए तो सफलता जरूर मिलाती है। निरंतर प्रयास और स्मार्ट वर्क परीक्षा में सफलता का मूलमंत्र है। पढ़े हुए को समय-समय पर रिवाइज करना जरूरी है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय कोचिंग के फेकल्टीज, निदेशक व माता-पिता को दिया। सफल विद्यार्थियों ने कहा कि वे आईआईटी में पढ़कर कंप्यूटर इंजीनियर बनना चाहते हैं। ऐसे में अब जेईई एडवांस्ड के लिए उनकी प्रत्येक विषय में प्रतिदिन सेल्फ स्टडी, पेपर प्रेक्टिस के साथ ही फेकल्टीज के साथ डाउट एवं कॉन्सेप्ट डिस्कशन की प्लानिंग है।

एडवांस के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया कल से

मोशन एजुकेशन के फाउंडर और सीईओ नितिन विजय ने बताया कि रिजल्ट के बाद उम्मीदवारों के सामने कई ऑप्शन हैं। वे एनटीए जेईई स्कोर के आधार पर टॉप कॉलेज एनआईटी, आईआईआईटी यानी ट्रिपल आईटी सहित कई सरकारी एवं निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन ले सकते हैं। अगर आईआईटी में ही दाखिला लेना चाहते हैं तो जेईई एडवांस्ड में आवेदन कर जी जान से तैयारी में जुट जाएं। आईआईटी मद्रास की ओर से जेईई एडवांस 2024 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 27 अप्रैल से द्धद्गद्मद्बह्य1.द्बह्लद्वठ्ठ पर शुरू की जाएगी। रजिस्ट्रेशन के लिए आखिरी तारीख 7 मई है। फीस भरने की तारीख 10 मई तक है। परीक्षा 26 मई को होगी। 17 मई से एडमिट कार्ड आने शुरू हो जाएंगे।

इस बार अधिक है कटऑफ

इस बार जेईई मेन्स के अप्रैल सेशन के लिए सामान्य श्रेणी का कटऑफ परसेंटाइल 2023 की तुलना में 2.45 अंक ज्यादा रहा। हालांकि, सामान्य श्रेणी के लिए चुने गए छात्रों की संख्या पिछली बार से 1261 कम है। इस बार जेईई एडवांस्ड के लिए क्वालिफाइंग परसेंटाइल पांच साल का सबसे ज्यादा रहा है। जेईई-मेन्स के आधार पर 2.5 लाख विद्यार्थियों ने एडवांस्ड परीक्षा के लिए क्वालीफाई किया है। हालांकि सभी एडवांस में नहीं बैठते हैं। पिछले साल चुने गए करीब ढाई लाख छात्रों में केवल 1,89,487 ने ही एडवांस दी थी। इनमें जिनमें से 43,770 छात्र आईआईटी में दाखिले के लिए चुने गए थे।

क्या होता है पर्सेंटाइल?

मोशन एजुकेशन के फाउंडर और सीईओ नितिन विजय ने बताया कि पर्सेंटाइल का मतलब पर्सेंटेज बिल्कुल भी नहीं होता। पर्सेंटेज से इसका दूर-दूर तक नाता नही है। पर्सेंटेज का मतलब है कि आपको हर विषय में 100 में से कितने अंक प्राप्त हुए हैं। वहीं, किसी विद्यार्थी के पर्सेंटाइल का मतलब है कि परीक्षा में कितने उम्मीदवार ऐसे हैं जिनके उससे अंक कम आए हैं। उदाहरण के लिए आपने जेईई परीक्षा में 80 पर्सेंटाइल प्राप्त किए हैं। इसका मतलब है कि आपने परीक्षा में शामिल हुए 80 फीसदी उम्मीदवारों से अधिक अंक हासिल किए हैं।गौरतलब है कि जेईई-मेन 2024 परीक्षा जनवरी व अप्रैल में आयोजित की गई। जनवरी में परीक्षा 24 जनवरी से 1 फरवरी तथा अप्रैल माह में 4 से 9 अप्रैल के बीच हुई थी। दोनों परीक्षाओं के उच्चतम एनटीए स्कोर के आधार पर विद्यार्थियों की आल इंडिया रैंक जारी की गई। इस वर्ष जेईई-मेन 2024 में दोनों सेशन मिलाकर 14 लाख 15 हजार 110 स्टूडेंट्स शामिल हुए। दोनों सेशन में कुल 10 लाख 67 हजार 959 कॉमन विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। गत वर्ष के मुकाबले करीब तीन लाख से अधिक है। जेईई-मेन में यह संख्या एनटीए के रिकॉर्ड में सर्वाधिक है। इस साल कुल 14 लाख 76 हजार 557 यूनीक कैंडिडेट ने जेईई-मेन के लिए रजिस्ट्रेशन किया। इसमें 14 लाख 15 हजार 110 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। दो दिन पहले ही एनटीए की ओर से प्रोविजनल आंसर की जारी की गई थी। इसके बाद कुछ प्रश्नों के जवाब पर आपत्तियां जताई गई थीं

अंतिम प्रशिक्षण के बाद रवाना हुए मतदान दल, 1507 मतदान केन्द्रों पर संभाला मोर्चा

755 मतदान केन्द्रों पर होगी वेबकास्टिंग

कोटा। लोकसभा आम चुनाव 2024 अंतर्गत गुरूवार को महाराव उम्मेद सिंह स्टेडियम में मतदान दलों को अंतिम प्रशिक्षण के बाद मतदान केन्द्रों के लिए रवाना किया गया। मतदान दलों ने अपने-अपने बूथ पर पहुंचकर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की। शुक्रवार 26 अप्रेल को प्रातः 7 से सायं 6 बजे तक मतदान होगा। प्रशिक्षण में पर्यवेक्षकगण, संभागीय आयुक्त, जिला निर्वाचन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक शहर एवं ग्रामीण, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारियों ने मतदाल दलों को नियमानुसार चुनाव प्रक्रिया करवाने के लिए बारीकियां समझाई और उनका मनोबल बढ़ाया।

सामान्य पर्यवेक्षक डॉ. वेंकटाचलम ने मतदान दलों के रवानगी, मतदान सामग्री वितरण एवं ईवीएम वितरण काउंटरों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि मतदान दल निर्वाचन आयोग के निर्देशों की पालना करते हुए शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराएंगे। किसी भी मतदान कार्मिक को उक्त सामग्रियों को प्राप्त करने में परेशानी न हो इसके लिए निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष प्रबंध किए गए हैं।

संभागीय आयुक्त उर्मिला राजोरिया ने कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदाता अभिन्न हिस्सा हैं और सभी मतदान दलों के कार्मिक निर्वाचन की प्रक्रिया को पूरा कराने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि सभी कार्मिक निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं निर्भीक होकर मतदान की जो जिम्मेदारी दी गई है उसे बखूबी रूप से पूरा करेंगे।जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने बताया कि जिले के 1507 मतदान केन्द्रों पर मतदान दल कार्मिक नियुक्त किए गए हैं। इनके साथ प्रत्येक मतदान केन्द्र एक पुलिसकर्मी भी नियुक्त किया गया है। चिन्हित मतदान केन्द्रों पर माइक्रोऑब्जर्वर व वीडियोग्राफर तथा संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर सीएपीएफ जवान तैनात किए गए हैं।जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी कार्मिक सजग, सतर्क एवं सक्रिय रहकर मतदान केन्द्र पर सभी आवश्यक प्रक्रियाएं समयानुसार संपादित करें तथा किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर धैर्य रखकर निर्धारित प्रक्रिया अपनाते हुए प्रबंधन करें। मतदान दल कार्मिक अपने पूर्व अनुभवों एवं आपसी सामंजस्य से समस्याओं का समाधान करें। उन्होंने माइक्रो ऑब्जर्वर को लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने के लिए निर्देशित किया। किसी भी समस्या के लिए माइक्रो ऑब्जर्वर सीधे पर्यवेक्षक को रिपोर्ट करेंगे। इनके लिए व्हाट्सएप्प ग्रुप बनाए गए हैं। ग्रुप में बूथ संख्या, लोकेशन एवं विवरण सहित जानकारी साझा करें ताकि समयबद्ध निस्तारण हो सके।

वेबकास्टिंग से रहेगी बूथों पर नजर

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान दल कार्मिकों को निर्देश देते हुए कहा कि जिले के 755 मतदान केन्द्रों पर वेबकास्टिंग की जा रही है। सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था की गई है तथा बूथ पूरे समय कैमरे की निगरानी में रहेंगे। इसलिए किसी भी प्रकार की असावधानी न बरतें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार से मशीन में तकनीकी खराबी होने से मशीनों को रिप्लेस करने की निर्धारित प्रक्रिया अपनाई जाए।

अनाधिकृत व्यक्ति को बूथ में प्रवेश नहीं

पुलिस अधीक्षक शहर डॉ. अमृता दुहन ने कहा कि पोलिंग बूथ पर सुरक्षा व्यवस्था व शांति बनी रहे। जो भी मतदाता मतदान के लिए केन्द्र पर आ रहे हैं उनके दस्तावेजों के जांच के उपरांत ही मतदान केन्द्र में प्रवेश दिया जाए। कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति पोलिंग बूथ के अंदर नहीं जाएगा। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक करण शर्मा ने भी मतदान केन्द्रों पर बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

दिव्यांग एवं वरिष्ठजनों को सुगम मतदान कराएंगे दिव्यांग मित्र

कोटा। लोकसभा चुनाव-2024 में दिव्यांग एवं वरिष्ठजनों के सुगम मतदान के लिए नियुक्त आंगनबाडी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी एवं स्वंय सेवक (दिव्यांग मित्रों) को सहयोगी के रूप में लगाया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने उक्त वॉलेन्टीयर्स, सहयोगी को नियुक्त करते हुए बताया है कि उनका दायित्व दिव्यांग मतदाताओं को ससम्मान मतदान दिवस 26 अप्रैल को मतदान स्थल पर लाकर उनका मतदान करवाना है।

छात्रवृति की आवेदन तिथि 31 मई तक

कोटा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विषेष समूह योजना (पूर्व में विषेष पिछड़ा वर्ग), अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक पिछड़ा वर्ग, विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय, मिरासी एवं भिष्ती समुदाय तथा मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च षिक्षा उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजनाओं के आवेदन की तिथि बढ़ाकर 31 मई कर दी गई है।

संयुक्त निदेषक सविता कृष्णिया ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 के छात्रवृति के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि पूर्व में 31 मार्च थी, जिसे बढ़ाकर 31 मई 2024 कर दिया गया है। अब विद्यार्थी 31 मई तक एसएसओ पोर्टल पर स्कॉलरषिप एसजेई एप अथवा मोबाईल एप एसजेईडी एप्लीकेषन के माध्यम से ऑनलाइन छात्रवृति आवेदन कर सकेंगे।

विश्व मलेरिया दिवस पर आमजन को किया जागरूक, चिकित्सा विभाग की ओर से की गई गतिविधियां

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

सीकर। चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग की ओर से विश्व मलेरिया दिवस पर जिलेभर में जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसके तहत शिक्षण संस्थाओं में विद्यार्थियों को मलेरिया के लक्षण, बचाव व उपचार के बारे में जानकारी दी गई। सीएमएचओ डॉ निर्मल सिंह ने बताया कि विभाग की ओर से जिलेभर में विश्व मलेरिया दिवस पर कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा शिक्षण संस्थानों में जाकर विद्यार्थियों व शिक्षकों को मच्छरों के बारे में जानकारी देते हुए मलेरिया रोग के बारे में जागरूक किया। साथ ही लार्वा का प्रदर्शन कर उनको मच्छरों की रोकथाम संबंधी गतिविधियां की जानकारी दी गई। डिप्टी सीएमएचओ डॉ अशोक कुमार महरिया ने बताया कि मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए विभाग की ओर से स्वास्थ्य कर्मियों के माध्यम घर घर सर्वे करवाया जा रहा है। साथ ही बुखार से पीडित पाए जाने वाले रोगियों की ब्लड स्लाइड भी ली जा रही है। मलेरिया क्रेश कार्यक्रम के प्रथम चरण के तहत विभाग की ओर से व्यापक स्तर पर आमजन को जागरूक किया जा रहा है।

जेईई मेन्स में सीएलसी का फिर दबदबा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

सीकर। नीट एवं जेईई प्रवेश परीक्षाओं में देशभर में पहचान बना चुके संस्थान सीएलसी ने जेईई मेन्स के घोषित नतीजों में एक बार फिर शानदार परिणाम देते हुए अपनी श्रेष्ठता साबित की है। परिणाम के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए सीएलसी सीईओ साहिल चौधरी ने बताया कि सीएलसी के 8 छात्रों ने 99.5 से ज्यादा पर्सेंटाइल प्राप्त किए है जिनमे 4 छात्रों ने 12वीं के साथ यह सफलता प्राप्त की है। छात्र प्रशांत ने 12वीं के साथ अपनी कैटेगरी में 16वीं, घनेंद्र ने 12वीं के साथ 362, मुकुल यादव ने 483, मनीष चौधरी ने 1443, अशोक स्वामी ने 1500, धीरज कुमार ने 12वीं के साथ 1593, युवराज सिंह ने 1597 और दिया सिंवर ने 12वीं के साथ 7629 रैंक प्राप्त की है। साहिल ने बताया की सीएलसी के 20 छात्रों ने 99 पर्सेंटाइल से ज्यादा अंक प्राप्त किए है जिनमे से 10 छात्रों ने 12वीं के साथ यह उपलब्धि हासिल की है। इसके साथ ही सीएलसी के 88 छात्रों ने 98 पर्सेंटाइल से ज्यादा अंक प्राप्त किए है, जिनमे से 46 छात्र 12वीं के साथ है। सफल छात्रों ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय सीएलसी की शिक्षक टीम, अपडेटेड स्टडी मैटेरियल और शानदार मैनेजमेंट को दिया। इस अवसर पर सीएलसी में उत्सव जैसा माहौल रहा और सभी ने मिठाई खिलाकर और एक दूसरे को बधाई देते हुए खुशी का इज़हार किया।

जेईई मेन-2024 में पीसीपी, प्रिंस के 53 विद्यार्थी 99 परसेंटाइल से ऊपर

रिकॉर्ड 342 विद्यार्थी 97.00 परसेंटाइल से ऊपर

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

नेशनल टेस्टिंग एजेन्सी द्वारा घोषित जेईई-मेन 2024 रिजल्ट में सीकर स्थित आईआईटी जेईई एवं नीट कोचिंग संस्थान पीसीपी, प्रिंस के विद्यार्थियों ने बड़ी सफलता हासिल की है। पीसीपी के 53 विद्यार्थियों ने 99 परसेंटाइल से अधिक अंक, 124 विद्यार्थियों ने 98.00 परसेंटाइल से अधिक अंक एवं 342 विद्यार्थियों ने 97.00 परसेंटाइल से अधिक अंक हासिल किये हैं। ऋषभ पारीक, पर्व कंबोज एवं रोहन ने फिजिक्स विषय में 100 परसेंटाइल अंक हासिल किये हैं। अधिकांश विद्यार्थियों ने कक्षा 12वीं के साथ ही यह सफलता हासिल की है। प्रविष्ट विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर पीसीपी, प्रिंस का यह रिजल्ट देश के सर्वश्रेष्ठ रिजल्ट्स में से एक है।

पीसीपी के ऋषभ पारीक व ध्रुव श्रीवास्तव ने 12वीं के साथ 99.88, अनिरुद्ध कविया ने 99.85, टीनू कुमारी ने 99.82, दीपक सारण ने 12वीं के साथ 99.77, जय रांकावत ने 12वीं के साथ 99.76, सचिन बुडानिया ने 12वीं के साथ 99.75, पर्व कंबोज ने 12वीं के साथ 99.74, अंकित सैनी ने 12वीं के साथ 99.71, महेंद्र काला व त्रिवेंद्रम सिंह ने 12वीं के साथ 99.70, गजेश ने 99.70, दिव्येश रानीवाल ने 12वीं के साथ 99.65, मोहित यादव ने 99.61, नाइस ढिल्लन ने 12वीं के साथ 99.56, रौनक चौधरी ने 12वीं के साथ 99.55, प्रियांशु रोलानिया ने 12वीं के साथ 99.51 परसेंटाइल अंक हासिल किये हैं।

इसी प्रकार उदित मान ने 12वीं के साथ 99.49, तनुज फौजदार ने 99.49, सुमन विश्नोई ने 99.49, मनीषा कुमारी ने 12वीं के साथ 99.46, तनुज यादव ने 99.45, शुभम शर्मा ने 12वीं के साथ 99.44, तरूण सेवदा ने 12वीं के साथ 99.44, विरेंद्र सिंह ने 12वीं के साथ 99.43, रवि लोहान ने 99.42, अभिषेक सैनी ने 99.41, मनीष बाजिया ने 12वीं के साथ 99.40, आनंद ने 99.39, रोहन व अमित साहु ने 99.37, अंतराज ने 12वीं के साथ 99.37, कार्तिक कुमावत ने 12वीं के साथ 99.35, मयंक शर्मा ने 99.35, अजय यादव ने 99.31, दीपक, नीतू व कुणाल ने 12वीं के साथ 99.29, प्रियांशु कुमावत ने 12वीं के साथ 99.25, उमेश चैधरी ने 12वीं के साथ 99.23, नंदिनी कुमावत ने99.22, आदित्य लांबा व हरेन्द्र सिंह ने 12वीं के साथ 99.21, पूजा खरबास ने 12वीं के साथ 99.17, श्रेया चौधरी ने 12वीं के साथ 99.16, कोमल फोगाट व रीना प्रजापत ने 99.15, दक्ष शर्मा ने 12वीं के साथ 99.14, सुरेंद्र मूंड ने 99.08, मौलिक डोटासरा ने 12वीं के साथ 99.06, अमित ने 99.04, अरविंद ढाका ने 99.02 एवं रितिक सुण्डा ने 99.01 परसेंटाइल हासिल किये हैं।

विद्यार्थियों की शानदार सफलता पर पीसीपी में जश्न का माहौल रहा। निदेशक जोगेंद्र सुण्डा, चेयरमैन डा. पीयूष सुण्डा, मुख्य प्रबंध निदेशक राजेश ढिल्लन, एकेडमिक हेड राकेश रुहेला, नीरज अग्रवाल, ओंकार मूंड, डी. आर. सारण, पुनीत शर्मा एवं फैकल्टी मेंबर्स ने चयनित विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का साफा पहनाकर, माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। शानदार आतिशबाजी की गई एवं मिठाइयां बांटी गई।

कुल्हाडी से प्राणघातक हमला करने का आरोपी तेजमल को किया गिरफ्तार

बून्दी। महानिरीक्षक पुलिस कोटा रैन्ज कोटा के आदेशानुसार एवं जिला पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद के निर्देशो की पालना में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमा शर्मा ने कापरेन थाने के अन्तर्गत कोडक्या गांव में बनवारी मीणा पर कुल्हाड़ी से प्राणघातक हमला करने के आरोपी तेजमल को शीघ्र गिरफ्तार करने के निर्देश दिये थे। जिस पर वृत्ताधिकारी वृत्त के. पाटन आशीष कुमार भार्गव के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी कमल सिंह उ.नि.थाना कापरेन के नैतृत्व में गठित टीम ने घटना के 24 घण्टे में ही गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस टीम द्वारा की गई इस त्वरित कार्यवाही की सर्वत्र प्रशंसा की जा रही है।गौरतलब है कि 23 अप्रैल की रात्रि को कोडक्या में बालाजी मंदिर में हनुमान जयन्ती के जागरण में बैठे बनवारी मीना पर तेजमल पुत्र सांवला गुर्जर ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया था। हमले में बनवारी गंभीर घायल हो गया। वहीं तेजमल अंधेरे का फायदा उठाकर वहां से फरार हो गया था। घायल बनवारी को तुरन्त लोग हॉस्पीटल लेकर गये जहां से उसे कोटा रैफर कर दिया। घटना में बाद पुलिस ने टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की। गठित टीम द्वारा कोडक्या मोड के पास मेगा हाईवे पर साधन के इंतजार में खडे रहने पर टीम द्वारा तुरन्त कार्यवाही कर आरोपी तेजमल को गिरफ्तार किया गया।

बाड़ी : हाईकोर्ट के निर्देश पर शहर में अतिक्रमण को लेकर चलाया अभियान

दो दर्जन दुकानदारों के काटे गए चालान, आगे अतिक्रमण नहीं करने की दी हिदायत

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» बाड़ी ... शहर के बाजार में कार्यवाही करती टीम

बाड़ी। बाजार में होने वाले अतिक्रमण और उससे हो रही आमजन की परेशानी को लेकर जब प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया गया तो राजस्थान हाई कोर्ट ने संज्ञान लिया और राजस्थान हाई कोर्ट के संज्ञान के बाद दिए गए निर्देश पर अब पुलिस और प्रशासन एक्शन मोड में दिखाई दे रहा है। धौलपुर जिला कलेक्टर श्री निधि बीटी के निर्देश पर बाड़ी शहर में अतिक्रमण को लेकर पुलिस और प्रशासन द्वारा नगर पालिका के साथ कार्रवाई की है और दो दर्जन से अधिक चालान काटे हैं साथ में दुकानदारों को हिदायत दी है कि वह दुकान से बाहर सामान ना रखें और न ही किसी प्रकार से आम रास्ते को अवरुद्ध करें अन्यथा कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बाड़ी सीओ नरेंद्र कुमार और तहसीलदार मोहम्मद हनीफ खां के नेतृत्व में अतिक्रमण को लेकर हुई इस कार्रवाई के दौरान नगर पालिका के जेईएन कैलाश चंद्र पाराशर और मांगीलाल के साथ पुलिस थाने के एसआई जगदीश सागर के नेतृत्व में पुलिस टीम एवं नगर पालिका के स्टाफ द्वारा दो दर्जन के करीब चालान किये गए। जिसमे अभियान को शहर के किला गेट से शुरू कर मुख्य बाजार में होते हुए सीताराम बाजार,बसेड़ी रोड,रेलवे फाटक,भारद्वाज मार्केट, अंबेडकर सर्किल सहित कई स्थानों पर कार्यवाही की गई। इस दौरान दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण को नहीं हटाये जाने पर जहां पुलिस द्वारा 8 चालान किये गए। वहीं नगर पालिका प्रशासन ने 15 चालान काटे हैं। जिसमे जुर्माना भी किया गया है। साथ में कुछ दुकानदारों के बाहर रखे सामान को भी जप्त किया गया है।

लगातार जारी रहेगा अभियान

बाड़ी नगर पालिका के जेईएन कैलाश पाराशर ने बताया कि जिला कलेक्टर के निर्देश पर पुलिस और प्रशासन के सहयोग से कार्रवाई की है। अभियान को लगातार जारी रखा जाएगा। हाई कोर्ट के निर्देश पर उक्त कार्रवाई को किया जा रहा है। बाजार में बहुत स्थिति खराब है। दुकानदारों द्वारा न केवल दुकानों के बाहर सामान रखा गया है बल्कि बेंच और टेबल लगाकर स्थाई रूप से अतिक्रमण किया जा रहा है।जिससे आमजन को परेशानी हो रही है और दुपहिया एवं चौपाइयां वाहनों का बाजार में से निकलना मुश्किल है।

» राजाखेड़ा ... एसडीएम को ज्ञापन सौंपते नागरिक

राजाखेड़ा : मच्छरों से परेशान नागरिकों ने प्रशासन से लगाई फोगिंग की गुहार

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

राजाखेड़ा। उपखंड मुख्यालय पर आनियांत्रित रूप से बढ़ रहे मच्छरों के की रोकथाम के लिए शहर में दवा का छिडकाव कराने व फोगिंग कराने की मांग को लेकर नगरपालिका के पार्षद प्रतिनिधियों व अन्य जनप्रतिनिधियों ने उपखण्डाधिकारी की अनुपस्थिति में तहसीलदार टीकेन्द्र सिंह को ज्ञापन सौंपकर त्वरित कार्यवाही की मांग उठाई।

नागरिको ने बताया कि राजाखेडा शहर में गंदगी के चलते ओर साफ सफाई के अभाव में गंदे गड्डो का रूप ले चुकी पोखरों, नालियों में सिल्ट भरे होने से पानी का रुकाव होने के कारण मच्छरों का प्रजनन अत्यधिक है। हाटमैदान छेत्र में मचला की पार पोखर के आस पास के इलाके में वार्ड न0 10,11,12 में तो बेहद मच्छर है जो सांझ ढलते ही सक्रिय हो जाते है और लोगों को काटते है जिससे मौहल्ले के अधिकांश बच्चों में बिमारियां फेल रहीं हैं। साथ ही मलेरिया ओर चिकिनगुनिया जैसी बीमारियों के फैलने का खतरा भी मंडरा रहा है।

मजदूरी भी नही कर पाते लोगों ने बताया कि आधा दर्जन वार्डो के नागरिक गरीब तबके के मजदूर है जो मच्छरों के काटने से सो भी नही पाते जिससे सेहत तो खराब हो ही रही है नींद पूरी न होने से अपनी मजदूरी का काम भी नही कर पा रहे है।जिससे परिवार पालन भी दुष्कर हो रहा है। नागरिको ने बढ़ रहे मच्छरों के प्रकोप की रोकथाम के लिए शहर में दवा का छिडकाव कराने व फोगिंग कराने की मांग की है। साथ ही पोखरों की सफाई करवाने ओर इनमे मच्छरों के प्रजनन को रोकने की दवा डलवाने की मांग की है । जिससे मच्छरों के आतंक से निजात मिल सकें। बच्चों में फेल रही बिमारियों को रोका जा सके। नागरिको की मांग जायज है त्वरित कार्यवाही के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

इस अवसर पर गिरवर सिंह जादौन पार्षद प्रतिनिधि पार्षद सतेन्द्र कुमार, पार्षद प्रतिनिधि अशोक,राजेन्द्र सिंह, नाहरसिंह उपाध्यक्ष प्रतिनिद्धि, विजयसिंग,अजीज खान, सागर दीक्षित, अंकुश तिवारी, गीतम सिंह,सुरेन्द्र सिंह, व अन्य शामिल रहे।

दौना पत्तल निर्माण के प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। गुरूवार को ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार एवं पीएनबी बैंक द्वारा प्रायोजित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी धौलपुर द्वारा ग्राम रजौराकलां (सैपऊ) में हुये छः दिवसीय जनरल ईडीपी के अंतर्गत दौना पत्तल निर्माण के प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन आरसेटी निदेशक राम प्रकाश वर्मा के सानिध्य में किया गया। कार्यक्रम में पंजाब नेशनल बैंक सैपऊ के वरिष्ठ प्रबन्धक अरुण कुमार मीना,एफ़एलसी मदन सिंह एवं राजीविका सीएलएफ़ सैपऊ की अध्यक्ष पार्वती देवी उपस्थित रहे। कृष्ण कुमार द्वारा 35 प्रशिक्षणार्थिओं को दौना पत्तल निर्माण कार्य का प्रशिक्षण दिया गया तथा फ़ैकल्टी कमल ठाकुर द्वारा बैच का संचालन किया गया। राम प्रकाश वर्मा ने प्रशिक्षणार्थिओं को आह्वान किया कि इस प्रशिक्षण को रोजगार में परवर्तित कर आजीविका करें तथा प्रशिक्षणार्थिओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। अरुण कुमार मीना ने प्रशिक्षणार्थिओं को बैंक की ओर से सभी तरह से सहयोग का आश्वासन दिया तथा कार्य शुरू करने पर प्रशिक्षणार्थिओं को ऋण प्रदान करने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। पार्वती देवी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम काफी लाभदायक रहा तथा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के पश्चात प्रशिक्षणार्थिओं को रोजगार शुरू करने में राजीविका की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। मदन सिंह ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना,सुकन्या समृद्धि योजना, साइबर फ़्रौड आदि के बारे में जानकारी दी। आरसेटी निदेशक राम प्रकाश वर्मा ने प्रशिक्षणार्थिओं को सलाह दी कि वह स्वरोजगार को बढ़ावा देते हुये अपने क्षेत्र में व्यबसाय शुरू करें। आरसेटी निदेशक राम प्रकाश वर्मा द्वारा प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान करते हुये आह्वान किया कि अपने क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं को आरसेटी के माध्यम से चलाये जा रहे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम से जोड़ें ताकि स्वंय रोजगार शुरू कर आत्मनिर्भर बन सकें। संस्थान के स्टाफ सालिगराम, निखिल कुमार, निशा हनी एवं प्रवीन कुमार ने सहयोग प्रदान किया।

30 अप्रैल को निकलेगी श्री राम जी की भव्य शोभा यात्रा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। स्थानीय परशुराम धर्मशाला पर आगामी 30 अप्रैल को आयोजित होने वाली श्रीराम शोभायात्रा यात्रा के उपलक्ष में बैठक का आयोजन विश्व हिन्दू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष महेश भटेले की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें उपस्थित लोगों को शोभायात्रा के सफल आयोजन हेतु विभिन्न जिम्मेदारी सौंपी गयी। शोभयात्रा सहसंयोजक डॉ. जितेन्द्र शर्मा ने बताया कि 30 अप्रैल को 3 बजे से बाड़ी में परशुराम धर्मशाला से भव्य श्री राम शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर घर घर पीले चावल एवं पम्पलेट बांटकर शोभायात्रा का निमंत्रण दिया जायेगा। शोभायात्रा के संयोजक तेज कुमार पाराशर ने सर्व समाज से शोभायात्रा में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया। सभा में वैद्य गिरीश कुमार, महेश भटेले, मुकेश विधौलिया, गिरीश पचौरी, भूरा परमार, कल्याण प्रसाद पाराशर, माता प्रसाद राजोरिया, संजू परमार, सचिन दीक्षित, तेज कुमार पाराशर, महेश कुशवाहा, कुवर सिंह कुशवाहा, आकाश कपरेला, दीपक रावत, गौरव उपाध्याय,सीताराम,सन्दीप पुजारी, राकेश दीक्षित, श्क्ष्×ड्ढष्ह्ल गुर्जर, कैप्टन बनवारी सिंह परमार, बनवारीलाल शिवहरे,अमन शिवहरे सहित सैकड़ो रामभक्त उपस्थित रहे।

सरमथुरा : पशु चराने निकले बुजुर्ग की कार की चपेट में आने से मौत

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

सरमथुरा। बीती रात राजमार्ग 11 बी पर बड़ागांव के पास एक बुजुर्ग की कार की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसा तब जब वह सड़क पार कर रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर घायल बुजुर्ग को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान बुजुर्ग की मौत हो गई।

थानाप्रभारी गौरव कुमार ने बताया कि हाईवे पर बड़ागांव के पास कार ड्राइवर ने तेज गति में कार दौड़ते हुए सड़क पार कर रहे सैजाद (65) पुत्र खैराती निवासी वैदल पाड़ा सरमथुरा को टक्कर मार दी। हादसे में बुजुर्ग गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने घायल को सरमथुरा अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक का पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मुस्लिम समाज अध्यक्ष भुट्टो खान ने बताया कि मृतक परिवार में अकेला था जो ड्राइवर और पशुपालन कर परिवार का भरण पोषण करता था। उन्होंने बताया कि मृतक पशुओं के लिए चारा लेने गया था। चारा काटने के बाद सड़क पार करते समय हादसा हो गया।

विश्व मलेरिया दिवस पर निकाली रैली कार्यशाला में दी मलेरिया से बचाव की जानकारी

» धौलपुर ... विश्व मलेरिया दिवस पर रैली निकालती एएनएम छात्राएं

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। विश्व मलेरिया दिवस पर एएनएम प्रशिक्षण केंद्र से मलेरिया और मच्छरों से बचाव संबंधी जागरूकता रैली निकाली गई। रैली शहर के प्रमुख मार्गो से होकर पुनः एएनएम प्रशिक्षण केंद्र पर पहुंची। रैली के पश्चात उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चेतराम मीणा की अध्यक्षता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं को मलेरिया, डेंगू के बारे में जानकारी एवं बचाव के उपायों के बारे में बताते हुए कहा कि सामान्य मलेरिया बुखार जानलेवा नहीं होता है, लेकिन उपचार में देरी या सही उपचार का न मिल पाना मलेरिया से मृत्यु होने का कारण बन जाता है। मलेरिया रोग का कारण एक कोशिकीय परजीवी 'प्लाजमोडियम' है जो मादा एनाफिलीज मच्छर को ग्रसित करता है और ऐसे संक्रमित मच्छर के काटने से यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक आसानी से पहुंच जाता है। मलेरिया से बचाव के लिए घरों में आसपास बने हुए जल स्रोत, गड्ढे, पशुओं की खेली, परिंडे इत्यादि की प्रत्येक रविवार को सूखा दिवस मनाते हुए साफ-सफाई कर मलेरिया मच्छर के लार्वा को पैदा होने से रोका जा सकता है। साथ ही मच्छरों से बचाव हेतु एमएलओ एवं अन्य मच्छर रोधी उपचारों के बारे में बताया गया। इस दौरान लार्वा का प्रदर्शन भी किया गया। उन्होंने बताया कि प्रत्येक रविवार को सूखा दिवस पर घरों में परिंडे, मटके, कूलर, फ्रिज की ट्रे इत्यादि को साफ सफाई कर मच्छर के लार्वा को पैदा होने से रोका जा सकता है। कोई भी कबाड़ का सामान टायर डिब्बे एवं अन्य सामग्री जिसमें पानी जमा रहा सकता है को साफ किया जाना चाहिए। कार्यशाला के दौरान प्रिंसिपल कल्पना सैंगर, ओम प्रकाश लोधी, चरणजीत सिंह सहित प्रशिक्षण केंद्र की छात्राएं मौजूद रही।

30 अप्रैल से होगी पांचवीं बोर्ड की परीक्षा

धौलपुर। प्राथमिक शिक्षा अधिगमन स्तर की पांचवीं बोर्ड की परीक्षा का आयोजन 30 अप्रैल से किया जाएगा। 4 मई तक आयोजित की जाने वाली पांचवीं बोर्ड की परीक्षा में 34 हजार 582 विद्यार्थी परीक्षा देंगे। गुरुवार को पांचवीं बोर्ड के परीक्षा प्रश्न पत्र धौलपुर पहुंचे। जिन्हें शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने थानों में सुरक्षित रखवाया।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) की ओर से आयोजित की जा रही परीक्षा 246 परीक्षा केंद्र पर आयोजित की जाएगी। 30 अप्रैल से शुरू होने वाली बोर्ड परीक्षा 4 मई तक पहली पारी में सुबह 8 बजे से साढ़े 10 बजे तक कराई जाएगी। डाइट के प्रिंसिपल महेश कुमार मंगल ने बताया कि प्रतिदिन होने वाली परीक्षा में पहला पेपर अंग्रेजी का कराया जाएगा। जिसके बाद हिंदी, गणित, पर्यावरण अध्ययन, संस्कृत, उर्दू और सिंधी विषय की परीक्षा आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिसको लेकर सभी परीक्षा केंद्र को प्रश्न पत्रों का वितरण कर दिया गया है।

पहले पांचवीं बोर्ड की परीक्षा 15 अप्रैल से 20 अप्रैल तक आयोजित कराई जानी थी। लोकसभा चुनाव के चलते परीक्षा की तिथि में परिवर्तन किया गया। जिसके बाद जिले के 246 परीक्षा केंद्र पर 30 अप्रैल से 4 मई तक पांचवीं बोर्ड की परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

» धौलपुर ... बुजुर्ग को अपने साथ ले जाती अपना घर की टीम

नरकीय हालत में मिले असहाय लावारिस बुजुर्ग को मिला अपना घर

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। विक्षिप्त, असहाय, लावारिस, अनाथ पीड़ित मानव सेवा में कार्यरत संस्था अपना घर सेवा समिति बाड़ी द्वारा एक असहाय, लावारिस नरकीय हालत में मिले बुजुर्ग को अपना घर आश्रम बाड़ी में दाखिल किया है। अपना घर सेवा समिति के संरक्षक विष्णु महेरे ने बताया कि सनाढध्य गौड़ फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रमोद शर्मा द्वारा सूचना दी गई कि एक बुजुर्ग कई दिन से लावारिस, असहाय हालत में बाड़ी के रेलवे स्टेशन पर हैं तुरंत विष्णु महेरे,नीरज गौड़ अपना घर आश्रम एम्बुलेंस की रेस्क्यू टीम के साथ रेलवे स्टेशन पहुंचे जहां काफी गंदगी में एक बुजुर्ग पड़े हुए मिले, हालत काफी दयनीय थी नरकीय जीवन जी रहे थे। जानकारी करने पर ठीक से अपना नाम पता नहीं बता पा रहे थे ऐसी स्थिति में उनको अपना घर आश्रम बाड़ी में दाखिल किया गया है जहां उनके बारे में पूर्ण जानकारी कर उनका इलाज एवं सेवा रहेगी इस मौके पर अपना घर सेवा समिति के संरक्षक विष्णु महेरे, नीरज गौड़, सेवा साथी अमन बघेल, नितेश प्रजापति, राकेश कुमार मौजूद रहे।

जयपुर : अचानक सड़क पर हुआ 20 फीट गहरा गड्ढा

जयपुर। जयपुर में गुरुवार को अचानक सड़क धंस धंस गई। इस वजह से गोपालपुरा बाईपास पर गुजर की थड़ी अंडर पास के नजदीक सड़क पर 20 फीट गहरा गड्ढा हो गया। अचानक हुई इस घटना के बाद लोगों ने जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की टीम को सूचना दी। कुछ देर बाद टीम मौके पर पहुंची। सड़क पर ट्रैफिक को बंद कर दिया गया। इसके बाद गड्ढे को सही करने का काम शुरू कर दिया गया। इस दौरान किसी भी तरह की जनहानी नहीं हुई।

प्रत्यक्षदर्शी राकेश ने बताया- इस सड़क पर यह पहली बार नहीं हुआ। इससे पहले भी गहरा गड्ढा हो चुका है। लेकिन जयपुर विकास प्राधिकरण के अधिकारी इस और ध्यान नहीं दे रहे हैं। जबकि इस सड़क पर हर दिन हजारों की संख्या में वाहनों की आवाजाही रहती है। बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स भी इसी सड़क से पैदल पढ़ने जाते हैं। जहां इस तरह की लापरवाही किसी भी दिन बड़ी घटना का कारण बन सकती है।

बसेड़ी : ससुराल पक्ष ने पीहर पक्ष वालों की पिटाई की

दो बेटियों के ससुराल में पीहर पक्ष वाले गये थे समझाने

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बसेड़ी। पत्तीपुरा गांव में बेटी के ससुराल पक्ष के लोगों ने पीहर पक्ष के लोगों के साथ मारपीट की। मारपीट में घायल दोनों बेटियों सहित उनके पिता और भाइयों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना को लेकर पीड़ित पक्ष ने थाने में लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मारपीट की घटना में घायल हुए बुजुर्ग मनोहर पुत्र ग्यासी कुशवाह निवासी हुलासीपुरा बाड़ी ने बताया कि 5 साल पहले उसने अपनी दोनों बेटी मिथिलेश और भूरी की शादी पत्तीपुरा गांव के रहने वाले सतीश और कल्लो के साथ की थी। भाई ने बताया कि उसकी दोनों बेटियों की ससुराल पक्ष के लोग मारपीट करते थे। 2 दिन पहले हुई मारपीट के बाद उनकी बड़ी बेटी मिथलेश मायके आ गई। जिसे पीहर पक्ष के लोगों ने समझा बुझाकर वापस ससुराल भेज दिया। जहां एक बार फिर से सास-ससुर और बेटी के पति ने उसकी बेटी से मारपीट कर दी। ससुराल पक्ष द्वारा दोनों बेटियों के साथ की जा रही मारपीट से नाराज जब पिता अपने घर के लोगों को लेकर बेटी के ससुराल पहुंचा तो वहां ससुराल पक्ष के लोगों ने उनकी मारपीट कर दी। मारपीट में दोनों बेटी के साथ पिता बहन और भाई घायल हो गए।

पीड़ित ने बताया कि मारपीट में घायल 6 लोगों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया है। जिनका डॉक्टरों की देखरेख में इलाज किया जा रहा है। घटना को लेकर पीड़ित पक्ष ने पुलिस को रिपोर्ट दी है। जिसकी जांच की जा रही है।

तृतीय पुण्यतिथि

स्व. श्री अनिल सिंघल
स्वर्गवास : 26.04.2021
अपने संघर्षपूर्ण जीवन कर्म में लीन रहकर खुद को दूसरों के लिए समर्पित कर हमारे लिए कर्म और संस्कारों की मजबूत आधारशिला रखी ऐसे व्यक्तित्त्व को
हम कोटि-कोटि नमन करते हैं एवं दिवंगत आत्मा को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं
: श्रद्धावनत :
सुनील, प्रनील, सुशील, रवि, श्याम, राजेश, गोपाल, शिवकुमार, संजय (भाई), विशाल 'नगर अध्यक्ष भाजपा', राहुल, कमल (पुत्र), आदित्य, कान्हा, लव, कुश (पौत्र), अनीता-राजेन्द्र मंगल जी (बहन-बहनोई), शुभम, अंकित (भांजे)
एवं समस्त सिंघल परिवार
प्रतिष्ठान
❖ सिंघल टैण्ट हाउस ❖ सिंघल बुक हाउस
❖ सिंघल बुक डिपो ❖ सिंघल फोटोस्टेट
सम्पर्क सूत्र : 9414025089, 800562582, 9414375589, 9414282728

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक **चन्द्रप्रकाश शिवहरे** के लिए मै. गुरूकृपा प्रकाशन प्रेस टीआईटी कॉम्पलैक्स मुरैना से मुद्रित एवं साई स्मार्ट सिटी,नगर परिषद ऑफिस के निकट,मचकुण्ड रोड,धौलपुर(राज.) से प्रकाशित आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/27740 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र धौलपुर न्यायालय होगा। फोन: 05642-224444, 224666, 224777 फैक्स: 223324 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए स्थानीय संपादक जिम्मेवार